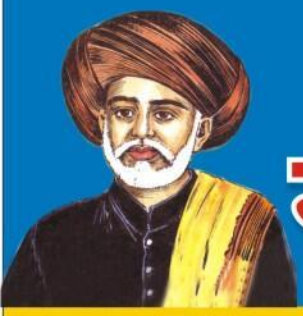

माली सैनी सन्देश

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

• वर्ष : 8 • अंक : 89 • 30 नवम्बर, 2012 • मूल्य : 150/- वार्षिक

महात्मा ज्योतिबा फूले प्रतिमा अनावरण समारोह

महात्मा ज्योतिबा फूले की 122वीं
पुण्यतिथि 28 नवम्बर 2012 के अवसर पर
पूना विश्वविद्यालय में महात्मा ज्योतिबा फूले
की प्रतिमा का अनावरण करते
महाराष्ट्र के राज्यपाल माननीय श्री के. शंकर नारायण
मुख्यमंत्री श्री अशोक चव्हाण
एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री श्री छगन भुजबल

महात्मा ज्योति बा फूले की 122वीं पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए

श्री अशोक गहलोत ने किया महात्मा ज्योतिराव फूले शिक्षण संस्था, फलोदी के छात्रावास का उद्घाटन

फलोदी। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने फलोदी में महात्मा ज्योतिराव फूले शिक्षण संस्थान द्वारा नवनिर्मित छात्रावास का उद्घाटन दिनांक 23 नवम्बर, 2012 को किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत, श्री मोतीलाल सांखला, श्री ऊंकारराम कच्छवाहा के साथ ही मंत्री श्री गुरमित, फलोदी विधायक श्री ओम जोशी, नगर पालिका अध्यक्ष अगरचंद भाटी, माली सैनी संदेश संपादक मनीष गहलोत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संस्था के पदाधिकारी श्री त्रिलोक सिंह गहलोत ने बताया कि वर्ष 2010 में राज्य सरकार द्वारा 10 बीघ जमीन प्रदान की गई थी जिसका शिलान्यास मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने 29 मई, 2011 को किया थाा। 90 लाख रूपये की लागत से तैयार यह छात्रावास 16 माह में बन कर तैयार हो गया। इसमें सर्वप्रथम श्री जुगल प्रेमराज गहलोत ने 7, 21,000 रूपये के आर्थिक सहयोग प्रदान किया था। इस छात्रावास के निर्माण में अनेकों दानदाताओं ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया जिसके लिए संस्थान उनकी हार्दिक आभारी है। संस्थान के बाबूलाल सोलंकी, श्री श्यामलाल परिहार, श्री गिरधारीराम सांखला, श्री गोबरराम सांखला, श्री सुखदेव सोलंकी, श्री बिंजाराम सोलंकी, श्री अम्बालाल कच्छवाहा, श्री चौथाराम देवड़ा, श्री मुकनाराम देवड़ा, श्री भगाराम देवड़ा सहित अनेक समाजसेवियों का सहयोग महत्वपूर्ण रहा। समारोह में पधारें सभी अतिथियों का संस्थान द्वारा अभिनंदन किया गया।

श्री अशोक गहलोत ने माली छात्रसंघ मथानिंया के प्रथम संस्करण का किया विमोचन

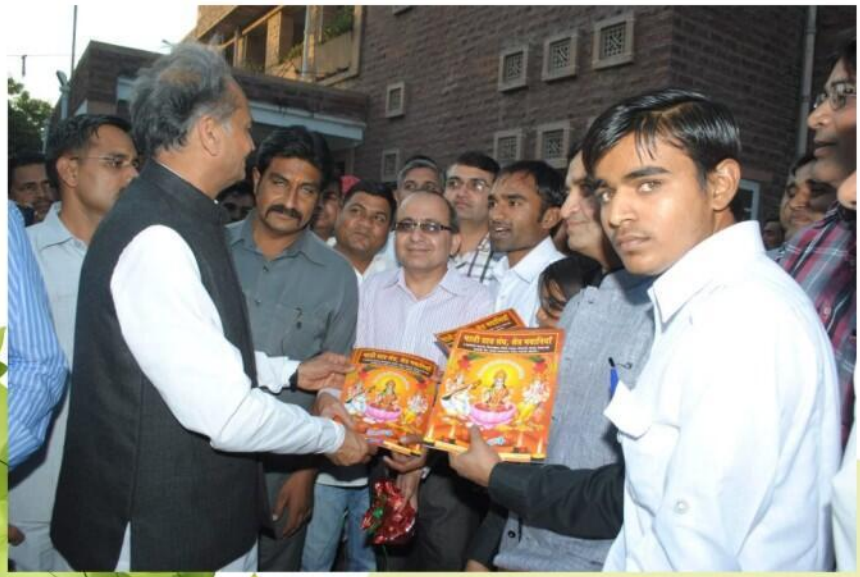

जोधपुर। दिपावली के शुभ अवसर पर जोधपुर आए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने सक्रिट हाऊस में माली छात्र संघ मथानियां के 28वे वर्ष में प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रेमचंद सांखला,छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. बी. आर परिहार, डॉ मनोहर परिहार, सांवर परिहार,, युधिष्टर परिहार के साथ ही सत्पथ सोसायटी के सचिव श्री राजेश गहलोत, माली सैनी संदेश के संपादक मनीष गहलोत इत्यादि उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छात्रसंघ के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि छात्र संघ विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं सहशैक्षिक एवं छात्र हित में कार्य करे तथा संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को 29वें वर्ष में प्रवेश पर बधाई दी।

NO.RAJHIN12897/20/1/2004-TC

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 8 अंक : 89 30 नवम्बर, 2012 मूल्य : 150/- वार्षिक

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन)
(अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(पूर्व पार्षद)

प्रेस फोटोग्राफर

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

इस अंक में

आवरण कथा

शहीदों एवं महापुरूषों की प्रतिमाओं से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी- श्री अशोक गहलोत
संपत गहलोत बनाम माली संस्थान, जोधपुर केस में हाईकोर्ट ने दिया 4 दिसम्बर, 2012 को पेश होने का आदेश
युवा पीढ़ी का योगदान अहम : श्री राजेन्द्र सोलंकी
मारपीट के विरोध में माली समाज का प्रदर्शन
अकुशल श्रमिकों को दक्षता प्रभावीकरण प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन
कर्मठ राजनीतिज्ञ/समाजसेवी श्री राजेन्द्र गहलोत
महात्मा ज्योति बा फूले की जयकारे लगाने वाले फूले की पुण्यतिथी पर श्रृदांजलि देने भी नहीं पहुंचे
मानसिंह सैनी नव अध्यक्ष नियुक्त
महात्मा जोतीराव फुले अष्ट पहलू के थे
जैतारण नगर (पाली राज.) के इतिहास में पहली बार सर्वजन हियात : सर्वजन सुखाय
ऑल इण्डिया सैनी समाज सेवा समिति के त्रैवार्षिक चुनाव 25 दिसम्बर, 2012 को होगे।
कांगो में शहीद हुए सैनिक धर्मपाल सैनी की राजकीय सम्मान से हुई अन्त्येष्टि।
श्री गजानंद रामी को रामजी महाजन सेवा पुरस्कार
समाजसेवी श्री बाबूलाल सैनी का भव्य स्वागत
माली संस्थान, जोधपुर के चुनाव 23 दिसम्बर, 2012 को
महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान के 3,333 आजीवन सदस्य बनाने का लक्ष्य
श्री नारायणलाल सैनी : कुछ तो बस आते जाते है, कुछ जाकर भी रह जाते है
डीसीपी रघुवीर सैनी ने पकड़ा वैश्यावृत्ति का अड्डा
युधिष्ठिर परिहार फलैगशिप योजनाओं के कियान्वय के लिए जिला सहसंयोजक नियुक्त
फलौदी में आयोजित छात्रावास उद्घाटन समारोह में समाज की उपस्थिति नगण्य

सम्पादक की कलम से ...

स्वार्थी पदाधिकारियों का बहिष्कार कर समाज बचाएं...

मनीष गहलोत
प्रधान सम्पादक

किसको क्या कहें ? कोई नहीं मान रहा जहाँ देखो वहाँ हमारे भावनात्मक स्तर का बहुत बुरी तरह अध: पतन हुआ है, और होता जा रहा है। सामाजिकता एवं भाई चारा बढ़ाने की बात व्यर्थ की बातों में समय बीता देते है, पर समाज की तरक्की पर चिंतन मनन करना लोगों के मन को नहीं सुहाता है। मैं सोचता हूँ स्वार्थ परता की तो हद हो रही है, जो मानवीय इतिहास में पहले कभी नहीं थी, मुझे याद है बचपन की व्यवहारिकता, पहले के लोग समाज के उत्थान की ज्यादा सोचते थे, व्यक्तिगत स्वार्थ का तो नामोनिशान नहीं था। आदर्श जीवन अपनाकर स्वल्य साधन सुविधाओं में भाई चारे से अपना काम चला लेते थे। अर्थात समाज के लोग दु:ख - सुख में हाथ बटाने में हर दम तैयार रहते थे और मानवीय सेवा करना कर्म धर्म समझते थे।

सच तो यह है कि हम महात्मा ज्योति बा फूले, संत शिरोमणी लिखमीदासजी महाराज के आदर्शो और उपदेशों को भूलकर स्वार्थ व स्वहित के वशीभूत हो गए है। जीवन को सुख पहुँचाने वाले जीवन मूल्यों और मानवीय मूल्यों तथा संतों के उपदेश को न अपनाकर कैसा समाज बनाना चाहते हे? हमारे लिए एक विचारणीय बिंदु है। यदि हम अन्य जाति समाज पर सोचे तो पायेंगे कि जो अपने -आपको उच्चकुल का कहते है उनकी मानसिक सोच के कारण कैसी दुर्दशा हो रही है?आज सामाजिक एकता के आभाव में हमारी राजनैतिक पहचान नहीं और कोई सामाजिक तरक्की नहीं। हमें समय की नजाकत को समझना होगा। हम वैचारिक प्रदूषण को रोंके और आदर्शो का आत्मसात करें। स्वार्थ उतना ही उचित हे जिससे दूसरों की भावनाओं और आवश्यकताओं और अधिकारों का हनन नहीं होता हो। हम सामाजिक प्राणी है अत: समाज एकता और समाज की प्रगति के लिए सोचना चाहिए। हम सद्बुद्धि से अहनिर्श एकता का प्रयास करें। सद्बुद्धि और कुबुद्धि का प्रभाव तो मनुष्य के जीवन पर अवश्य पड़ता है। कहा जाता है रावण की लंका सोने से बनी थी और वहाँ सुख-सुविधाओं की क्या कमी रही होगी ? लेकिन रावण की कुबुद्धि के कारण वहाँ सदा नरक ही रहा। इसलिए तो संतो ने हमें उपदश दिए है कि आदर्शो को जीवन में उतारें और समाज के लिए भावनात्मक एकता बनाएं। यदि हम जितनी शक्ति थोथी बातों, स्वार्थपूर्ति एवं दूसरों की टीका टिप्पणी में लगाते है, वही उर्जा समाज के उत्थान में लगाएँ तो सामाजिकता का आनन्द ही आ जाए।

हम कथनी और करनी में समानता लाएँ। कई महानुभावों को देखा है वे अवसरवादी है जगह जगह भाषण में समाज सुधार की बातें झाड़ते हैं और स्वार्थपूर्ति के लिए समाज के मंच का दूरूपयोग करते हैं। इन्हीं स्वार्थी लोगों की दुर्बुद्धि हमारे उत्थान में बाधक है। ऐसा कौन होगा जो अपने जाति समाज की तरक्की नहीं चाहता है? लेकिन तरक्की बातों और कल्पना से ही कभी नहीं होती। इसके लिए सत्य, प्रेम, सहानुभूति, सहयोग, अहिंसा, सेवा, अनुशासन, परोपकार, स्वावलम्बन, भाईचारा, परिश्रम, आस्था, आज्ञाकारिता आदि आदर्शो को आत्मसात करना निहायत जरूरी है। आदर्शो की सीढ़ी पार करने वाला ही महान् कहलाता है और महान् व्यक्तियों से ही समाज महान् कहलाता है।

समय की पुकार है, हम जिम्मेदारियों को समझें और संकल्प करें तथा समय को जाया न करें बल्कि नूतन आयामों से समाज के संगठन को मजबूत बनाएँ। हम गुणग्राहक बनें, अन्यत्र जो उत्तम बातें है, उन्हें अपनाएँ। समाज के सभी वर्गो के बीच की दूरी मिटाने का प्रयत्न करें तथा हमारी जाति के आदर्श है, व्यवस्थाएँ है, नीति है और कल्याणकारी रिवाज हैं उनका तहेदिल से एवं भावनात्मक एकता से समर्थन करें।

मैं आपको ध्यान दिलाना चाहुँगा कि ''सामाजिक सुव्यवस्था एक सार्वजनिक सम्पति है, उसे सुरक्षित रखने के लिए हम सामूहिक रूप से प्रयास करें तथा एक दूसरे की भावना से जुड़े।''

जय माली सैनी समाज

मुख्यमंत्री ने की 1 लाख नोकरियां देने की घोषणा

शहीदों एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी– श्री अशोक गहलोत

शहीद धर्मपाल सैनी की पत्नी को शॉल ओढ़ाकर सम्मान करते मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत

चिडावा में सोमानी एजुकेशन ट्रस्ट के शत वर्षीय व ज्योतिबा फूले प्रतिभा अनवारण समारोह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार विभिन्न पदों पर एक लाख भर्ती और करेगी। वे चिड़ावा में सोमानी एजुकेशन ट्रस्ट के शत वर्षीय समारोह एवं महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों का कहा कि राज्य में एक लाख पदों पर भर्ती की जा चुकी है और एक लाख पदों पर भर्ती जल्द की जाएगी। उन्होने कहा कि केंद्र सरकार यदि झुंझुनूं में सैनिक स्कूल या आर्मी स्कूल खोलती है तो राज्य सरकार हरसंभव मदद करने को तैयार है।

मुख्यमंत्री ने चिड़ावा की सैनी बस्ती के मिडिल स्कूल को सैकंडरी में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। चिड़ावा में एडीजे कोर्ट शुरू करने, सीवरेज के लिए सहयोग का आश्रवासन दिया। गहलोत ने कहा कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए आरटीआई, समय पर जनता के काम करने के लिए सुनवाई का अधिकार, गरीब बच्चों को पढाने के लिए आरटीई, रोजगार के लिए मनरेगा, लोगों को स्वस्थ रखने के लिए निशुल्क मुख्यमंत्री दवा योजना, सुरक्षित प्रसव के लिए जननी सुरक्षा योजना जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई है। 21 नवंबर से प्रशासन शहरों के संग अभियान तथा जनवरी में प्रशासन गांवो के संग अभियान चलाकर जनता के काम उनके पास जाकर किए जाएंगे । सीएम ने कहा कि सरकार जल्द ही फूड सिक्युसिटी एक्ट लागू करने जा रही है, ताकि कोई व्यक्ति भूखा नहीं रहे ।

उन्होंने शेखावाटी को वीरों, भामाशाहों एवं उधोगपतियों की धरा बताते हुए कहा कि शेखावाटी की माटी में सेवा, रक्षा व आर्थिक जगत को प्रभावित करने का गुण है। मूनका की ढाणी स्थित सैनी धर्मशाला में महात्मा ज्योतिबा फूले प्रमिमा अनावरण कर सीएम ने कहा कि शहीदों एवं महापुरूषों की प्रमिमाओं से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे सांसद शीशराम ओला ने झुंझुनूं में नहर लाने, स्पोर्ट, यूनिवर्सिटी खोलने, सैनिक व आर्मी स्कूल खोलने, कॉपर कारखाने को बंद नहीं करने और उसका निजीकरण रोकने, चिडावा में जिला एवं सत्र न्यायालय खोजने, सीवरेज की मांग रखी । हीरालाल सोमानी ने सोमानी एजुकेशन ट्रस्ट के सौ साल का परिचय देकर कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में चिड़ावा में संभवतया उस समय शेखावाटी का एकमात्र स्कूल था।

चिड़ावा नगर पालिकाध्यक्ष ओमप्रकाश सैनी ने चिड़ावा कस्बे की स्थानीय समस्याएं रखी । सोमनी ट्रस्ट के सचिव आर के सोमानी ने आभार व्यक्त किया । ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेद्र सिंह, चिकित्सा राज्यमंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा, होमगार्ड मंत्री राजेंद्रसिंह गुढा अतिथि के रूप में शिरकत की। सोमानी परिवार के श्रीकांत सोमानी, अभिषेक सोमानी, संदीप सोमानी आदि कार्यक्रम में मौजूद थे। फूले की प्रमिमा अनावरण समारोह में विधायक रीटा चौधरी, आरटीडीसी चेयरमैन रणदीप धनखड, जिला प्रमुख हनुमान प्रसाद, वक्फ बोर्ड चेयरमैरन लियाकत अली समेत अनेक विशिष्ट जन मौजूद थे

जनसभा में उमड़ी महिलाओं की भीड : चिड़ावा व मोहनका की ढाणी स्थित सैनी धर्मशाला में महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा अनावरण समारोह में महिलाओं की भीड़ उमड़ी । मुख्यमंत्री के भाषण पर महिलाओं ने कई बार जोरदार तालियां बजाई। अतिथियों का कार्यक्रम संयोजक नगर पालिकाध्यक्ष ओमप्रकाश सैनी, उपाध्यक्ष महेश कुमार हिम्मतरातका, श्री कृष्ण गोशाला अध्यक्ष झंडी प्रसाद हिम्मतरामका, बुडाना सरपंच सुमित्रा सैनी सहित आयोजन समिति से जुड़े अनेक लोगो ने साफा, शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। संचालन व्याख्याता प्रदीप मोदी ने किया।

महिला शिक्षा के लिए की सराहना : गहलोत ने बालिका शिक्षा के लिए शेक्षावाटी के लोगो की सराहना की। उन्होंने कहा कि भामाशाहो की बदौलत शिक्षा का अलख जगा । उन्होंने कमला बेनीवाल व सुमित्रा सिंह का जिक्र करते हुए कि झुंझुनूं की बालिकाएं शिक्षा की बदौलत काफी आगे पहुंची ।

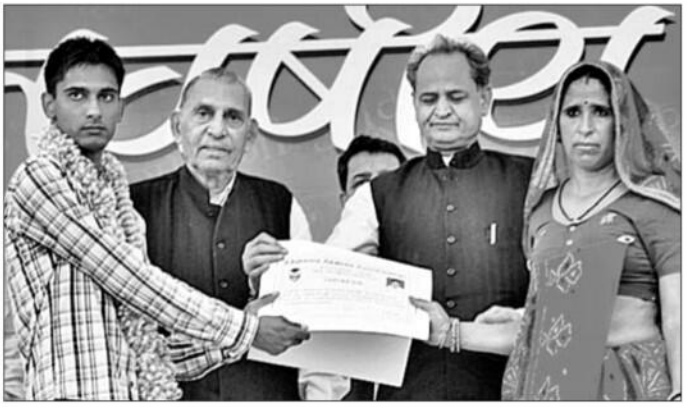

शहीद बीरांगना का सम्मान : महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रमिमा अनावरण समारोह में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गोठड़ा निवासी एवं कांगो में शांति सेना में शहीद हुए धर्मपान की वीरांगना संतरा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

टॉपर का सम्मान: चिड़ावा कॉलेज में हुए सोमानी एजुकेशन ट्रस्ट के शत वर्षीय समारोह में चिडावा कॉलेज के छात्र तथा बीएससी गणित में राजस्थान यूनिवर्सिटी टॉप करने वाले अरविंद को 21 हजार रूपए का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया । मुख्यमंत्री ने उन्हें यह चेक प्रदान किया।

प्रधान से पहनवाई मुख्यमंत्री को माला: महात्मा ज्योतिबा फूले प्रमिमा अनावरण समारोह में उदयपुरवाटी प्रधान मंच के सामने अधिकारियों के पास बैइ गए। होमगार्ड मंत्र राजेंद्रसिंह गुढा ने कार्यक्रम संयोजक से बता कर प्रधान भगवानाराम सैनी को माला पहनाने की घोषणा करवाई । गुढा ने भगवानाराम सैनी का मुख्यमंत्री से परिचय तो कराया ही एक कुर्सी मंगवाकर अन्य अतिथियों के साथ प्रधान को बैठाया ।

संपत गहलोत बनाम माली संस्थान, जोधपुर केस में हाईकोर्ट ने दिया 4 दिसम्बर, 2012 को पेश होने का आदेश

जोधपुर । जोधपुर माली संस्थान के चुनाव चर्ष 2010 में हुए चुनाव प्रक्रिया को अवैधानिक घोषित करने हेतु दायर वाद में निलची अदालत द्वारा वर्ष 2009 में माली संस्थान के चुनाव में सदस्यता ग्रहण करने संबधी मूल आवेदन पत्र, साधारण सदस्य, मानक सदस्य एवं प्रतिनिधी सदस्यों की सूची प्रस्तुत करने का आदेश दिया था।

इसके अलावा प्रार्थी द्वारा मांगी गई अन्य जानकारियों के आवेदन को अपर जिला न्यायाधीश सं 4 कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया था। जिसके विरूद्व प्राथी श्री संपत सिंह गहलोत ने माननीय उच्च न्यायालय में वाद दायर किया।

जिस पर उच्च न्यायालय ने दिनांक 21 नवम्बर, 2012 को आदेश पारित करते हुए दिनांक 4 दिसम्बर, 2012 को माली संस्थान, जोधपुर अध्यक्ष , संस्थान सचिव, संस्थान कोषाध्यक्ष, वर्ष 2012 में माली संस्थान के चुनाव अधिकारी श्री राजेन्द्र सिंह भाटी एवं रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटी एवं कॉ-ऑपरेटिव सोसायटी, कॉ-ऑपरेटिव डिर्पाटमेण्ट राजस्थान सरकार को प्रात : 10.30 बजे उपस्थित होने या अपना पक्ष रखने के लिए आदेश पारित किया।

माननीय उच्च न्यायालय ने इस संबध में आदेश में कहा है कि उपस्थित नहीं होने की स्थिति में कैस सुना जायेगा एवं एक्स पार्टी माना जायेगा।

पूर्व में भी माली संस्थान जोधपुर के चुनाव प्रक्रिया के विरूद्व अपर जिला न्यायाधीश सं 4 में दिनांक 10 नवम्बर, 2012 को अप्रार्थी की और से वकील ने उपस्थित हो कर आगामी तारिख पेशी पर संबधित कागजात पेश करने की मोहलत मांगी जिस पर न्यायालय ने दिनांक 7 दिसम्बर, 2012 की पेशी की तारीख दी है।

माली संस्थान, जोधपुर के वर्तमान अध्यक्ष की कार्यशैली पर माली सैनी संदेश ने अनेकों बार पत्र व्यवहार किया तथा संस्थान में हो रही अनियमितताओं की और अध्यक्ष को आगाह भी किया लेकिन जैसा कि विदित है माली संस्थान अध्यक्ष अपनी हठधर्मिता के चलते न तो दूसरों की बातों पर ध्यान देते है न ही जवाब देते है। यहां तक कि आम सभा में रजिस्ट्रड डाक द्वारा भेजे गए सुझावों एवं शिकायतों पर भी संस्थान अध्यक्ष न तो जवाब और न ही कार्यवाही करते है।

माली संस्थान अध्यक्ष की इसी कार्यशैली के कारण माली संस्थान, जोधपुर के पूर्व आजीवन सदस्य श्री संपत गहलोत (जिनको नियम विरूद्व बिना पक्ष सुने निष्कासित किया गया) ने न्यायालय में वाद दायर किया जिससे माली समाज का सामाजिक नुकसान हो रहा है व समाज के लोगों में संस्थान के प्रति मोहभंग हो गया है।

माली छात्र संघ, मथानियां का वृहत सम्मेलन व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

युवा पीढ़ी का योगदान अहम : श्री राजेन्द्र सोलंकी

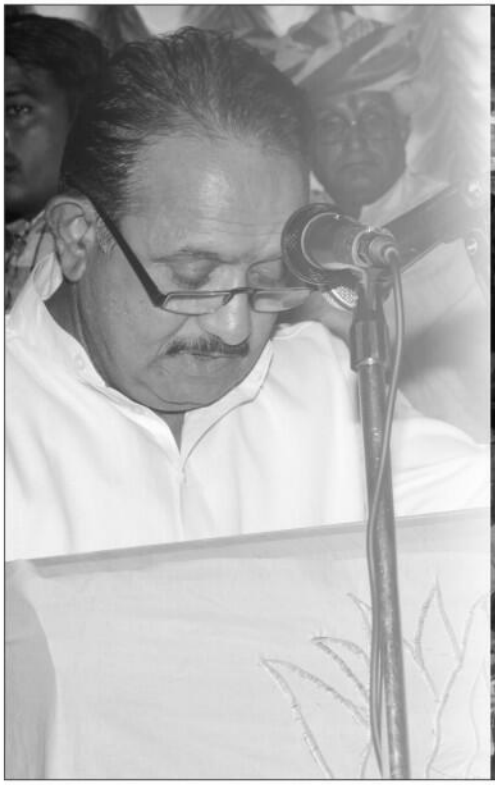

सालोड़ी (जोधपुर)। समाज के विकास में युवा पीढ़ी का अहम योगदान रहता है। विकसित समाज की पहचान उस समाज के युवाओं में सोचने समझने व विकास करने की इच्छा शक्ति ही साथ ही समाज मे फैली कुरीतियो को मिटाने में हर समय कटिबद्ध रहे । ये विचार निकट वर्ती सालोड़ी गांव में माली छात्र संघ क्षेत्र मथानिया के 28वें वार्षिक वृहत सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जोधपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह सोलंकी ने व्यक्त किए । सोलंकी ने समाज बंधुओं को विश्वास दिलाया कि आपका क्षेत्र जेडीए के अंतर्गता आता है इसके विकास मे मै सदेव आपके साथ रहकर कार्य करवाउंगा। किसी भी समस्या के निराकरण के लिए सदैव मेरे दरवाजे खुले रहेंगे ।

समारोह के विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत ने समाज के विकास में भागीरथ का बन विकास की गंगा बहाने वाले नागरिकों को सराहना की। साथ ही समाज के सभी वर्गा को साथ चलने की बात कही और समाज में भेद-भाव मिटाने, सामाजिक जागृति के लिए सभी राजनैतिक दलों में समाज के जनप्रतिनिधियों को उचित पद दिलाने की बात की। उन्होंने छात्र संघ द्वारा हर वर्ष आयोजित होने वाले सम्मान समारोह की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज में युवक-युवतियों ने प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र मे हर जगह सफलता के झंडे गाढ समाज माता-पिता व गांव का नाम रोशन किया ।

इन्होने भी किया संबोधित

देवीचंद दवेड़ा अपाध्यक्ष देहात कांग्रेस उकाराम कच्छवाह डॉ. भीमपाल गहलोत, डॉ. बीआर परिहार, प्रेमचन्द सांखाला जिला शिक्षा अधिकारी श्री बंशीलाल कच्छवाहा अध्यक्ष बीसीसी, बाबुलाल गहलोत डॉ. मनोहर परिहार, नगर पार्षद मंयक देवड़ा, लेखराज सहित समाज के कई नागरिको ने संबोधित किया तथा छात्र संघ द्वारा होने वाले दिवाली स्त्रेह मिलन कि सराहना की ।

समारोह में समाज कई सरपंच गणमान्य नागरिक उपस्थिति हुए। इसी दौरन समाज के लगभग 200 प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं सरकार सेवाओं में चयनितों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान छात्र संघ महासचिव अषोक टाक ने संबोधित किया ओर पूरे वर्ष में रही उपलब्धियों एवं आयोजनो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। समारोह के अन्त मे छात्र संघ अध्यक्ष युधिष्ठिर परिहार ने सभी पधारे हुए अतिथियो एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया ।

माली सैनी संदेश की ओर से भेंट किया गया कम्प्यूटर सेट : इस समारोह के में माली सैनी सदेश मासिक पत्रिका के संपादक श्री मनीष गहलोत ने जेडीए अध्यक्ष सोलंकी एवं राजेन्द्र गहलोत पूर्व मंत्री की उपस्थिती में छात्र संघ अध्यक्ष युधिष्ठिर परिहार एवं छात्र संघ पदाधिकारियों को छात्र हित में कम्प्यूटर प्रदान किया जिससे विद्यार्थी वर्तमान युग में विश्व स्तर पर हो रहे शोध एवं शैक्षणिक जानकारी प्राप्त कर सके। सांवर परिहार ने छात्र संघ की ओर से धन्यवाद प्रेषित किया ।

पुलिस छावनी बना शिवगंज

मारपीट के विरोध में माली समाज का प्रदर्शन

मकान मे घुस करा गर्भवती महिला तीन जनों का लात-घूसों से पीटने का मामला

शिवगंज। गोकुलवाड़ी मोहल्ले में दो दिन पूर्व गंगाराम माली के घर में घुसकर गर्भवती युवती सहित तीन लोगों पर हमला कर लातों व घूंसों से मारपीट करने के मामले में शनिवार को माली समाज सहित अन्य लोगों ने शहर में जुलूस निकाला एवं थाने के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। शाम करीब चार बजे कलेक्टर मदनसिंह काला व एसपी लवली कटियार के शिवगंज पहुंचने पर समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम का उन्हें ज्ञापन देकर हमले की निंदा करते हुए सभी अरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की। कलेक्टर व एसपी ने मामले में निष्पक्ष जांच करवाने एवं शेष रहे आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार करने का आश्वासन देने के बाद ही प्रदर्शरकारी शांत हुए ।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम क अनुसार दोपहर 12 बजे गोकुलवाड़ी स्थित भक्त लखमीदास महाराज मंदिर परिसर से जुलूस रवाना हुआ। यह जुलूस मालियो का बासव, धानमंडी, आजाद चौक, गोलबिल्डिंग, सरदार वल्लभ पटेल मार्ग, सब्जी मंडी, होली चौक, कलापुरा मार्ग, तांगा स्टैंड, पुराना बस स्टैंड, नगर पालिका कार्यालय, न्यू मार्केट, जागनाथ महादेव, क्रांति चौराहा, नए बस स्टैंड होते हुए दोपहर करीब 1 बजे पुलिस थाने पहुंचा। जुलूस में शामिल सैकड़ां लोग हमलावरों को गिरफ्तार करने व प्रशासनिक शिथिलता के खिलाफ नारे लगा रहे थे। जुलूस थाने के बाहर पहुंचने पर लोगो ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इसके बाद थारनेके द्वारा पर ही सभी प्रदर्शनकारी धरने पर बैठे गए।

माली समाज के अध्यक्ष बाबूलाल गहलोत, पूर्व अध्यक्ष नारायणलाल परिहार, चुन्नीलाल परिहार, चित्त प्रसन्न कुमार परिहार, हरिश परिहार, सुमेरपुर के दीपक भाटी, पोसालिया के हिम्मतराम माली, प्रतापराम परमार, रमेश कुमार, चंपालाल चौहान, शंकरलाल परिहार, चंद्रशेखर आर्य, विधायक ओटाराम देवासी आदि ने धरते को संबोकधत करते हुए घटना की निंदा कर हमलावरों को तत्काल ही गिरफ्तार करने की मांग की। दोपहर करीब 2.30 बजे एएसपी भंवरसिंह मीणा व एसडीएम शिवचरण मीणा ने माली समाज के प्रतिनिधि मंड़ल से थाना परिसार में वार्ता कर ज्ञापन देने के लिए आमंत्रित किया, लेकिन प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट कर दिया कि ज्ञापन कलेक्टर व एसपी को ही दिया जाएगा।

दो दिन में गिरफ्तार नहीं होने पर बंद की चेतावन : माली समाज की ओर से कलेक्टर व एसपी को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नात दिए ज्ञापन में घटना की संपूर्ण जानकारी देकर चेतावनी दी है कि शेष आरोपियों को अगले दो दिन के भीतर गिरफ्तार नहीं किया गया तो समाज ग्यारह परगना स्तर पर कार्रवाई करेगा। साथ ही शिवगंज सहित आसपास के कस्बों में बंद का आहवान करने के अलावा भूख हड़ताल जैसे कदम उठाया जाएगा।

एसपी ने दिया निष्पक्ष जांच का भरोसा: एसपी लवली कटियार ने पुलिस थाने में पत्रकारों के साथ बातचीत में बताया कि घटना के शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दल गठित किए गए है। पुलिस निष्पक्षता के साथ मामले की जांच करेगी तथा शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

माली समाज के धरना प्रदर्शन का लेकर पुलिस ने शहर में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर शहर में भारी पुलिस बल तैनात किया था। जुलूस मार्ग सहित मुख्य मार्गो व चौराहों पर पुलिस बन तैनात था। वहीं सिरोही डीएएसापी सीताराम मीणा, रेवदर डीएसपी भंवरसिंह, शिवगंज थानाधिकारी वासुदेवसिंह, पिंडवाड़ा सीआई राजेश बाफना, पालड़ी थानाधिकारी वीरसिंह, पुलिस उप निरीक्ष हंसाराम सिरवी सहित अन्य पुलिस अधिकारी ए वं गुतचर शाखा के पुलिस कर्मियों को भी तैनात किया गया था।

करीब एक घंटे बाद कलेक्टर मदनसिंह काला व एसपी लवली कटियार थाने पहुंचे। धरनार्थियों ने हमलावरों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजीकी। इस बीच कलेक्टर व एसपी ने प्रतिनिधिमंडल को ज्ञापन देने के लिए थाना परिसर में ही बुलवाया। इस र लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया और वे फिर से नारेबाजी करेन लग गए।

इस दौरान कुछ युवकों ने थाने के बाहर हाइवे जाम का भी प्रयास किया, लेकिन समाज के पंच पटेलों ने उनकों समझाकर वहां से हटवा दिया। इसके बाद प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के कलेक्टर व एसपी को ज्ञापन सौंपा।

अकुशल श्रमिकों को दक्षता प्रभावीकरण प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन

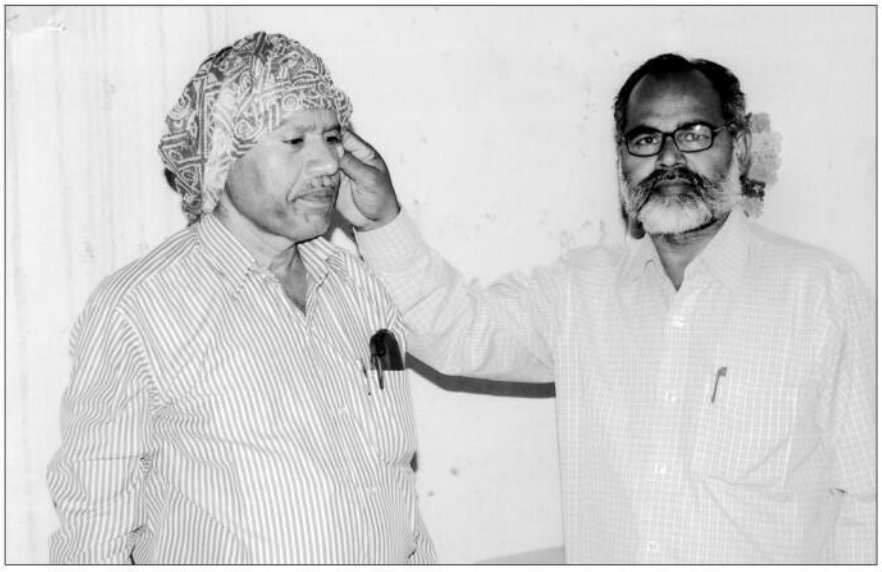

नायब तहसीलदार श्री धर्मचन्द सैनी का पगड़ी बांधकर स्वागत करते भरतसिंह सैनी

भरतपुर । 09 अक्टूबर 2012 निर्माण अधोग विकास परिषद नई दिल्ली एवं सैनी माली डौट कॉम डवलवमेंट सोसायटी शाखा भरतपुर के संयुक्त तत्वाधान में प्रतीक दक्षता प्रमाणीकरण प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन किया गया। उपर्युक्त कार्यक्रम सैनी मो. कुम्हेर गेट भरतपुर में हुआ जिसमें सैकड़ो प्रमिको ने भाग लिया । शिविर में साक्षात्कार के पश्चात 34 श्रमिकी दक्षता प्रमाण पत्र पाने योग्य घोषित किया गया । विशिष्ट अतिथि निर्माण उधोग विकास परिषद दिल्ली से महाप्रबंधक श्री आर.के.मलिक डिप्टी मैनेजर आर एल रावल एवं इजी. एम. एल. कथूरिया थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता भरतपुर के तहसीदार श्री सर्मचन्द सैनी ने की । अतिथिगणो में श्री हरिशचन्द्र शास्त्री पलवल, गोपीकिशन गहलोत जयपुर श्री रमनलाल चेयर मैन नगर एवं श्री विश्म्भर लाल सैनी भुसावरथे । सभी अतिथियो का साफा माला पहनाकर एवं स्मृति चिंहन भेंट कर स्वागत किया गया।

दिल्ली से पधारे महाप्रबंधक श्री आर.के. मलिक ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे श्रमिक जो अपने क्षेत्र मे पूर्ण निपुण है परन्त अपनी कार्यकुशलता प्रमाणित करने के लिए कोई सरकारी दस्तावेज नहीं होता । जिनसे कार्य तो दक्ष श्रमिक का लिया जाता है परन्तु पारिश्राकि अकुशल कारीगर का दिया जाता है। उनका शोषण किया जाता है। कम वेतन से अनेक हार का आर्थिक ढांचा बिगड़ जाता है एवं दो जून की रोटी भी नसीब नही हो पाती । कुशल कारीगर होने के बावजूद अकुशल श्रमिक के वेतन पर जीने क लिए मजबूर होते है । ये इस वजह से अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा तक नही दिला पाते। ऐसे श्रमिक जिनकी आयु 22 वर्ष से अधिक हो और कम से कम पाँच वर्ष का कार्यानुभाव हो, उन्हें निर्माण उद्योग विकास परिषद दिल्ली द्वारा 56 ट्रेडों में कार्यदक्षता प्रमाण पत्र प्रदान करता है। इससे उनकी कुशलता पर सरकार मुहर लग जाती है। अकुशल कारीगर प्रमाणीकरण के बाद कुशल कारीगर की श्रेणी में आ जाते है।

विदेशो में नौकरी हेतु उरनकी गिनती कुशल कारीगरों में होती है। एवं वीजा पर कुशल कारीगर लिखा होता है। प्रमाण पत्र सारी व्याक्ति भविष्य में किसी भी प्रकार का सरकार एवं गैर सरकारी ठेका ले सकता है।उक्त प्रमाणपत्र भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है। आने वाले समय में प्रत्येक जगह वे ही कारीगर काम कर पाएगे। जिनके पास उक्त प्रमाण पत्र होगा पलग्ल से पधारे श्री हरीशचन्द्र शास्त्री ने कहा कि जिस प्रकार ड्रावर वाहन चालन में कुशल तो है परन्तु उसके पास ड्राइविंग लाइसेस नही है तो वाहन चलाने के अयोग्य माना जाएगा। नगर से पधारे चेयरमैन रमनलाल जी ने आज के परिवेश में कार्य दक्षता प्रमाण पत्र की महती आवश्यकता बताई। वही सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सैनी माली डॉट कॉम के अध्यक्ष श्री गोलीकिशन गहलोत ने श्रमिको को सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी । उन्हानें अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि भारत आज भी विश्व गुरू हैं उन्होनें बताया कि यहाँ पर बीना रेल्वे स्टेशन के पास देवखडा गाँव में पांच मिनट में फ्रेक्चर ठीक किया जाता है। अलवर जिले कि भिन्डूसी तिराया के पास गहनकर गाँव मे बाबा कमल मुले के आश्रम में कैंसर का नि:शुल्क इलाज किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नायब तहसीलदार श्री धर्मचंद सैनी ने अपने भाषण में दक्षता प्रमाण पत्र कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। वही श्रमिकों को अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाकर समाज की मुख्य धार से जोड़ने की अपील की एवं जनकल्याण की सरकार योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

श्रमिक अशिक्षा के कारण व्यसनी हो जाते है। एवं अपनी कमाई का एक बडा हिस्सा व्यसन पूर्ति में लगा देते है अत एव उन्होने श्रमिको से व्यसन छोडने का आग्रह किया। भुसावर से पधारे श्री विश्म्भर दयाल सैनी में मंचस्थ अतिथियों को साफा बांधकर स्वागत किया । श्री भरतसिंह सैनी, पक्काबाग ने समृति चिन्ह भेंट किए। श्री राधेलाल सैनी ने अतिथियो का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। सैनी महासभा के संस्थापक श्री किशनलाल फोरमैन ने अतिथियों को स्वरचित ''सैनी समाज का तत्यात्मक विवरण नाम पुस्तक भेंट की । समााज के गणमान्य बंधु श्री विजेन्द्र सैनी, पवन सैनी, शुभम सैनी, बन्टू सेनी मदन सैनी, अनिल सैनी, माउजर सैनी, बाबूलाल सैनी आदि का सहयोग रहा । शिविर का आयोजन एवं संचालन समाज सेवी श्री जगदीश आर्य द्वारा किया गया।

माली समाज विकास संस्थान,
सुंधा पर्वत (जालोर)

ठहरने की समुचित व्यवस्था है
दर्शनार्थी स्वजाति बंधु लाभ उठावें।

श्री सुंधा माताजी मंदिर, माली समाज भवन,
मु. राजपुरा, पो. दांतलावास,
वाया-जसवंतपुरा, जिला-जालोर (राज.)
फोन: 02990-281171

निवेदक :- माली विकास संस्थान के
सभी पदाधिकारी गण, सुन्धा पर्वत

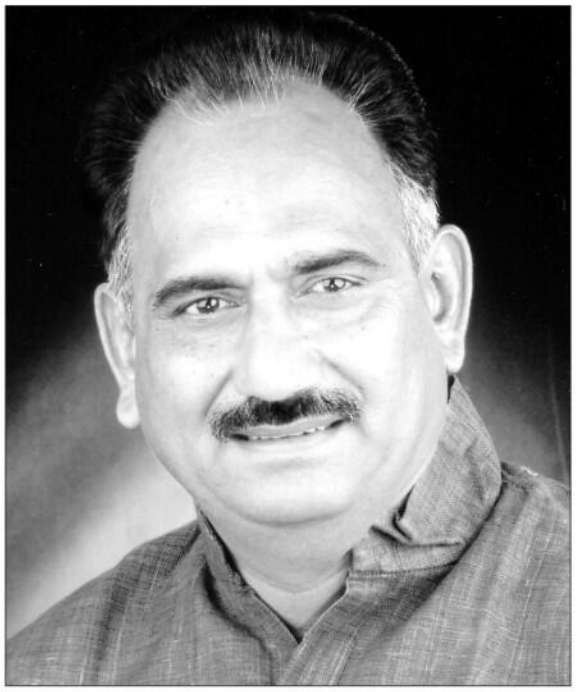

जन्मदिवस विशेष : 7 नवम्बर, 2012

कर्मठ राजनीतिज्ञ/समाजसेवी

श्री राजेन्द्र गहलोत

पूर्व मंत्री (राजस्थान सरकार)

माली सैनी समाज में जन्मे श्री राजेन्द्र गहलोत का जन्म 07.11.1946 को श्री बालकृष्ण जी गहलोत के यहां जोधपुर में हुआ। आपकी शिक्षा जोधपुर में हुई तथा 1973 में बी.ए. किया। आपका विवाह 1979 में विमला देवी पुत्री श्री भंवरलाल जी पंवार नागोर निवासी के साथ हुआ। श्री भंवरलाल नागोर के प्रसिद्ध नेता हैं। आप के एक पुत्र रवि व पुत्री सुमन है।

विद्यार्थी जीवन से ही गहलोत के हृदय में देश भक्ति कूट-कूट कर भरी हुई थी। देश में आपात स्थिति 1977 में लगी, तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्द्रा गांधी ने आपात स्थिति के दौरान कई निर्दोष लोगों को भी नही छोड़ा। श्री गहलोत अत्याचारों के विरूद्ध उठ खड़े हुए तो उन्हें भी जेल में डाल दिया गया। उन पर अमानवीय जुल्म किये गये, मगर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। आप 19 मास तक निरन्तर काल कोठरी में रहने के बाद जब मुक्त हुए तो यातनाओं से लड़ने की क्षमता दुगुनी हो गई। यहीं से वे राजनीति में अधिक धीर-गंभीर होकर आगे बढ़े। आप सरदारपुरा विधानसभा से दो बार विधायक निर्वाचित हुए तथा राजस्थान के सूचना एवं जनसम्पर्क तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी राज्य मंत्री भी रहे।

हम पिछले 20 वर्षो के उनके कार्यो पर दृष्टि डाले तो देखते है कि इन्दिरा गांधी लिफ्ट केनाल के जरिये हिमालय का जल जोधपुर तक पहुचांने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही हैं। एक जागरूक सक्रिय एवं उत्तरदायी जन प्रतिनिधि के नाते श्री गहलोत ने जोधपुर की जन भावनाओं का सदैव सम्मान करते हुए यहाँ की समस्याओं को समय-समय पर विधानसभा में प्रखर वक्ता के रूप में उठाया है। आपने 1990 से 1992 तक ढाई वर्षो में विधायक कार्यकाल में और फिर राष्ट्रपति शासन के दौरान व 1993 में दुबारा विधायक निर्वाविचत होने से लेकर जन सम्पर्क एव जनस्वास्थ्य अभियान्त्रिकी राज्य मन्त्री पद ग्रहण करने के बाद भी सक्रिय रूप से विकास के कार्य करवाये, जोधपुर विश्वविद्यालय का नाम लोकनायक जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय रखने में और पूर्णकालिक कुलपति की नियुक्ति कराने जैसे बिन्दुओं पर सरकार का ध्यान निरंतर आकर्षित किया। आपने पिछड़े वर्गो को जाति प्रमाण पत्र देने की प्रक्रिया का सरलीकरण कराने तथा शिक्षा के क्षेत्र में आरक्षण प्रदान करने में, चिकित्सा के क्षेत्र आदि में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पावटा डिस्पेन्सरी को सेटेलाईट अस्पताल में क्रमोन्नत करवाया गया। बी.जे.एस., लक्ष्मीनगर और डिगाड़ी कॉलोनी में अस्पताल स्वीकृत करवाये। श्री राजेन्द्र गहलोत ने राजस्थान प्रदेश के लिए सामान्यत: तथा जोधपुर क्षेत्र को विशेषत: अपनी सार्वजनिक सेवाएँ दी व युवा पीढ़ी के लिए अत्यन्त प्रेरणाप्रद है।

2 वर्षो से जोधपुर नगर सुधार न्यास के अध्यक्ष के रूप में जोधपुर में विकास एवं सौदर्यकरण के नये आयाम आपके ही मार्गदर्शन में हुआ है जिसमें विशेष है गौरव पथ, कायलाना रोड़, पाली रोड़, भदवासिया रोड़, माता का थान स्थित मंदिर एवं छात्रावास तथा चेनपुरा में श्री अमृतलाल गहलोत स्टेडियम के लिए किये गये कार्य हमेशा याद रहेगें।

वर्तमान में आप नागौर के अमरापुरा में माली सैनी समाज के संत शिरोमणी संत श्री लिखमीदास जी महाराज के समाधि स्थल पर भव्य स्मारक एवं मंदिर के साथ समाज के सभी वर्गो के लिए भव्य ईमारत बनवा रहे है।

माली सैनी संदेश परिवार श्री राजेन्द्र गहलोत के जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना करता है।

अहमदाबाद। पूर्व मन्त्री राजस्थान सरकार व संत शिरोमणी श्री लिखमीदासजी महाराज विकास संस्थान अमरपुर नागौर के अध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत के जन्मदिवस पर गुल्दस्ता बधाई देते हुए दियोदर विधायक अनिल भाई माली, माहत्मा ज्योतिबा फूले जागृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल सांखला, प्रदेश सचिव नाथू सोलंकी, अमरापुरा धाम के राधाकिशन तवर, सुरेश सोलंकी,

युवा पीढ़ी ज्योतिबा फूले के जीवन से प्रेरणा ले

- मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत

जयपुर, 28 नवम्बर । मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने महान् समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर बुधवार को यहां सहकार सर्किल स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर श्रद्वासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर श्री गहलोत ने युवा पीढ़ी से महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके आदर्शो को आत्मसात् करने एवं उनके बताए रास्ते पर चलने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा फुले देश के ऐसे महापुरूष एवं समाज सुधारक थे जिन्होंने समतामूलक समाज की स्थापना, स्त्री शिक्षा तथा छूआछूत की समाप्ति के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह, डांग क्षेत्र विकास बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण सिंह एवं महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्र संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष श्री मांगीलाल पंवार ने भी महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रमिमा पर श्रृद्धासुमन अर्पित किए।

धुंधाडा : कस्बे में बुधवार का महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि मनाई गई। संस्थान के अध्यक्ष गोपाराम गहलोत के सान्निध्य में संगोष्ठी का आयाजन किया गया। इस अवसर पर महात्मा फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दो मिन्ट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। गहलोत ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने दलित वर्ग के उत्थान के लिए कई कार्य किए। समारोह में अशोक भाटी, भरत भाटी, नरेंद्र टाक, लक्ष्मण भाटी, नरपत, महेंद्र, राजेंद्र गहलोत किसनाराम कच्छवाह सहित संस्थान के विद्यार्थियों ने भाग लिया। धुंधाड़ा तन कस्बे में माली समाज द्वारा बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि मनाई गई ।भाजपा नेता अचलाराम कच्छवाह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कई वक्ताओं ने उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का आहवान किया। इस मौके पर कस्बे सहित निकट के कई गांवो से आए माली समाज के प्रबुद्धजनों, भाजपा व कांग्रेस नेताओं के साथ जनप्रतिनिधियों ने फुले की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पुष्कर : महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय जागृति मंच की ओर से बुधवार को पुष्कर के माली मंदिर में महात्मा ज्योतिबा फुले की 122वीं पुण्यतिथि समारोह पूर्व मनाई गई। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय कंपनी मामलात मंत्री सचिन पायलट ने कहा कि महात्मा फुले सच्चे समाज सेवा थे। वे गरीबों, दलितों, पिछड़ों व किसानों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। शिक्षा राज्यमंत्री नसीम अख्तम इंसाफ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद प्रभा ठाकुर, अजमेर कांग्रेस शहर अध्यक्ष महेंद्र सिंह रलावता, श्रीनगर प्रधान रामनारायण गुर्जर, पालिकाध्यक्ष मंजु

श्री छगन भुजबल महात्मा फुले का श्रृदांजलि प्रदान करते हुए

दिल्ली में महात्मा फुले का श्रृदांजलि प्रदान करते श्री रामनारायण चौहान

पुष्कर (राजस्थान) में महात्मा फुले का श्रृदांजलि प्रदान करते समाजबंधु

कुर्डिया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश गुर्जर, सबा खान ने माला एवं पुष्प अर्पित कर महात्मा जयोतिबा फुले को श्रद्धापूर्वक याद किया। आरंभ में माली सेवा सदन के अध्यक्ष सेवाराम दग्दी एवं महासचिव ताराचंद गहलोत ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर बाबूलाल दग्दी, श्रवण, हनुमान सिंगोदिया, सत्यनारायण, जयनारायण दग्दी, पुष्करनारायण भाटी, मनोहर महावर, हेमराज, पार्षद सोनल मौर्य, आशा तुंदवाल, नितेष गहलोत, महेश चौहान सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे।

दौसा : महात्मा जयोतिबा फुले की पुण्यतिथि पर बुधवार को दौसा क्रांति मंच के तत्वावधान में गांधी तिराहे पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. महेश शर्मा ने दौसा में ज्योतिबा फुले की स्मृति में स्मारक बनाने की जरूरत पर बल दिया। इसके लिए उन्होंने 51सौ रूपए का आर्थिक सहयोग देने की घोषणा की। फुले से प्रेरणा लेकर समाज में भले काम करने और भाईचारे से रहने की अपील की। मुंशी रामप्रताप सैनी ने कहा कि ज्योतिबा फुले ने गुलाम भारत के दलितों, पिछड़ों, किसानों और महिलाओं के शोषण के खिलाफ आवाज उठाई थी। मंच के अध्यक्ष राजकुमार इंजीनियर ने सामाजिक न्याय के लिए फुले के योगदान को याद किया। फुले की याद में पार्क विकसित कर मूर्ति स्थापना और पुस्तकालय खोला जाना चाहिए। सभा में फुल माला विक्रेता संघ अध्यक्ष गोपीलाल सैनी, जिला खाद्य व्यापार संघ अध्यक्ष्य घनश्याम बड़ाया, अखिल भारती खटीक सभा जिलाध्यक्ष बिहारीलाल राजोरिया, वाल्मीकि सेवा समिति शहर अध्यक्ष कैलाश टुनलायत, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक धनश्याम रावत, रैगर युवा समिति अध्यक्ष विनोद कानखेड़िया, ओमप्रकाश राजोरिया, प्रीतम परेवा, ज्ञानचंद राणा, ओमप्रकाश महावर, महेंद्र शर्मा, मनोज मल्होत्रा, प्रेमप्रकाश बैरवा आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की।

लालसोट : महात्मा बा ज्योतिबा फुले सेवा समिति द्वारा बुधवार को फुले सर्किल पर महात्मा फुले की पुण्य तिथि को मनाया । इस अवसर पर समाज के लोगों ने महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रृद्धांजलि दी। इस अवसर पर पालिका वायस चेयरमैन हीरालाल सैनी, मुकेश बगड़ी, चौथमल सैनी, सहित अनेक लोगों ने श्रृद्धासुमन अर्पित किए।

बांदीकुई : बांदीकुई तसावित्री बाई फुले सामाजिक एवं शैक्षिक विकास संस्थान बांदीकुई के तत्वावधारन में बुधवार को करनावरिया ढाणी वार्ड 21 में संस्थान कार्यालय पर महात्मा ज्योतिबा फूले की 123वी. पुण्य तिथि पार्षद मोहनलाल सैनी की मुख्य आतिथ्य व संस्थान अध्यक्ष हेमलता सैनी की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर पार्षद ने फुले के आदर्शो पर चलन का आहवान किया। इस दौरान उपाध्यक्ष बीना सैनी, कोषाध्यक्ष राजेश सैनी, सदस्या सुखबाई सैनी, पूजा सैनी, मीरा सैनी व दिनेश सैनी सहित अन्य ने विचार व्यक्त किए।

महात्मा ज्योति बा फूले की जयकारे लगाने वाले फूले की पुण्यतिथी पर श्रृदांजलि देने भी नहीं पहुंचे

जोधपुर। महात्मा ज्योति बा फूले की 122वीं पुण्यतिथि पर जहां सारे भारत में विभिन्न प्रदेशों शहरों में समाज के सभी वर्गो ने जहां महात्मा फूले को श्रृदांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया।

वहीं जोधपुर स्थित महात्मा फूले सर्किल पर महात्मा फूले की प्रतिमा पर समाज की प्रमुख माली संस्थान के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी के साथ ही अन्य राजनैतिक एवं सामाजिक पदाधिकारी महात्मा ज्योति बा फूले को पुष्पाजंलि अर्पित करने भी नहीं पहुंचे। महात्मा फूले राष्ट्रीय संस्थान की अध्यक्षा श्रीमती प्रेमलता परिहार एवं सचिव श्री साहिबराम गहलोत, नगर निगम पार्षद श्रीमती ज्योति सोलंकी सहित कुछ गिने चुनें लोगों ने महात्मा ज्योति बा फूले की पुण्यतिथि पर महात्मा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रृद्धांजलि अर्पित की।

हमारे समाज के अनेकों आयोजनों में संस्थान अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं अन्य सामाजिक एवं राजनैतिक दल के जनप्रतिनिधि महात्मा फूले के जीवन से प्रेरणा लेने की बड़ी-बड़ी बातें करते है उनके गुणगान भी करते है लेकिन उन सभी को महात्मा फूले की पुण्यतिथि पर श्रृद्धांजलि अर्पित करने का समय नहीं मिला।

माली सैनी संदेश ने सामाजिक सरोकार को निभाते हुए प्रमुख समाचार पत्र में महात्मा फूले की पुण्यतिथि का विज्ञापन भी प्रकाशित करवाया लेकिन शायद इन सभी पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों को महात्मा फूले भी अपने स्वार्थ एवं सामाजिक कार्यक्रमों तक ही याद रहते है।

यह हमारे समाज के कतिपय पदाधिकारियों की संर्कीण सोच दर्शाता है जिन्होंने आधुनिक भारत के युगदृष्टा एवं सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योति बा फूले का अपमान किया है।

जैसलमेर : महात्मा ज्योतिबा फुले जागृति मंच के प्रदेशाध्यक्ष शंकरलाल माली की अध्यक्षता में बुधवार को ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि हनुमान सर्किल के पास 2 मिनट का मौन रखकर मनाई गई। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष माली ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले एक महान विधमान व्यक्ति थे उन्होंने अपनी धर्मपत्नी सावित्री बाई को पढ़ा लिखाकर पहली शिक्षित महिला के रूप में उभरी। महात्मा ज्योतिबा ने एक नारा दिया। विधा बिना मति गई मति बिन नीति गई, नीति बिन गति गई, गति बिन धन गया, धन बिन शूद्र पतित हुए, इतना घोर अनर्थ मात्र अविद्या के कारण ही हुआ ।

इस अवसर पर एक प्रस्ताव पारित किया गया कि नगरपालिका क्षेत्र में महान व्यक्ति के नाम से चौराहा रखा जाए। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले मंच के जिलाध्यक्ष मेघराज परिहार, माली सैनी समजा विकास संस्थान के अध्यक्ष प्रेमराज पंवार, कांग्रेस खेत मजदूर किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री देवका राम माली, ग्राम पंचायत अमरसागर के सरपंच भोजराज माली आदि ने महात्मा ज्योतिबा की जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने अपने विचार रखें । इस अवसर पर कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष देवीलाल माली, चुनी लाल पंवार, कार्यवाहक अध्यक्ष सेवादल खटन खां मंगलिया, धनश्याम माली, मोहम्मद रसीद, रागाराम मंगलिया, जैना राम सत्याग्रही आदि सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

जालोर : आमजन पार्टी के तत्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फुले का 122वां निर्वाण दिवस बुधवार को पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में आयोजित किया गया, जिसमें पार्टी कें जालोर जिलाध्यक्ष रमेश गहलोत ने महात्मा ज्योतिबाफूले की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले शिक्षा के शक्ति के पुरोधा थे, जिन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार में अमिट योगदान दिया। जिला कोषाध्यक्ष तरूण त्रिवेदी ने कहा कि समाज का विकास शिक्षा से ही संभव है । इस दौरान अध्यक्ष सर्व अख्तर, प्रदेश अध्यक्ष भारती गहलोत, प्रदेश सचिव शमीम, जिला उपाध्यक्ष अय्यूब गहलोत, जिला महासचिव अभय कुमार, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष आरिफ खान, महासचिव मोहसिन खान, खुशालसिंह, नगर अध्यक्ष शंकरलाल समेत कई जने मौजूदे थे।

बारां : महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय संस्थन की ओर से बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फूले की पुण्यतिथि पर कोटा रोड स्थित अग्रिशमन कार्यालय पर फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद पब्लिक पार्क में संस्थान व माली सैनी महासंघ की ओर से विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता माली समाज अध्यक्ष मोरपाल सुमन ने की। गोष्ठी में बसपा के जिलाध्यक्ष रोमेश्वर नागर, जिला उपाध्यक्ष चतुर्भुज मेघ, जिला प्रभारी विजय कुमार विजय कुमार बैरवा, संस्थान के जिलाध्यक्ष चौथमल सैनी, महात्मा फूले छात्रावास अध्यक्ष नंदलाल सुमन, दीनबंधु धाकड़, सुरेशचंद मानव, धर्मराज मेहरा, मुकेश केरवालिया आदि ने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी में रामप्रसाद कोटड़ा, राकेश बाल्मीकि, मुरली, भुवनेश नागर, रमेश मीणा, सुनीता, ब्रह्मानंद सुमन आदि मौजूद थे। संचालन मोहनलाल सुमन ने किया।

ज्योतिबा फूले के आदर्शों पर चलन का आव्हान: महात्मा ज्योतिबा फूल की पुण्यतिथि पर डॉ. अंबेडकर स्टूडेंट फंट ऑफ इंडिया की ओर से संगोष्ठी हुई। जिलाध्यक्ष सोनू धाकड़ ने कार्यकर्ताओं को इस दौरारन ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। संगोष्ठी में निर्मल सहरोद, ओम, रोहित गोठवाल आदि मौजूद थे। उधर, बहुजन समाज पार्टी ने बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फूले की पुण्यतिथि मनाई। बसपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर नागर व जिला प्रभारी विजयकुमार बैरवा की अगुवाई में महात्मा फूले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विवेकानंद पार्क में गोष्ठी हुई। इसमें जिलाध्यक्ष नागर, प्रभारी बैरवा, जिला उपाध्यक्ष चतुर्भुज मेघ, सुरेश मानव, दीनबंधु धाकड़ ने महात्मा फूले की जीवनी पर प्रकाश डाला। साथ ही महात्मा फूपले के आदर्शो पर चलते हुए शिक्षा, संगठन एवं संघर्ष का आहवान किया। इस दौरान रमेशचंद मीणा, विकास नागर, महेश जयंत, अशोक, मुरलीधर मीणा, राधाकिशन मीणा, कल्याणसिंह, भुवनेश नागर, वीरेंद्र नागर आदि उपस्थित थे।

चुरू : सामाजिक क्रांति के अग्रदूत एवं पिछड़ों व दलितों को शिक्षा से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले की 122वीं पुण्यतिथि बुधवार को सैनी मंदिर में मनाई गई।

महात्मा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद कार्यक्रम में सिटी बैंक मलेशिया के सहायक चेयरमैन एवं चूरू निवासी सचिन पंवार का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर पंवार ने कॉलेजिएट युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी प्रतियोगिताओं में सफलता के टिपस दिए। उन्होंने बताया कि विदेशों में भारत जैसी संस्कृति और संस्कारों की कभी है। कार्यक्रम के अध्यक्ष गिरधारीलाल कटारिया ने महात्मा फुले के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। कांग्रेस सेवा दल के

उज्जैन में महात्मा फुले का श्रृदांजलि प्रदान करती श्रीमती अल्का सैनी एवं अन्य

बांरा (राजस्थान) में महात्मा फुले का श्रृदांजलि प्रदान करते समाजबंधु

अध्यक्ष ताराचंद सैनी ने युवाओं से फुले के आदर्श अपनाने का आहवान किया। पार्षद महेश जीनगर, रामकुमार सैनी, विजय कुमार गौड़, प्रदीप सैनी, पंतजलि योग समिति के महासचिव पवन कुमार सैनी, सैनी समाज कल्याण संस्थान के महासचिव सत्यनारायण हलकारा, रामलाल सैनी विशिष्ट अतिथि थे। सभी वक्ताओं ने पीएचईडी दफ्तर के निकट प्रस्तावित निजी बस स्टैंड का नाम महात्मा ज्योमिबा फुले बस स्टैंड करवाने की मांग नगरपरिषद आयुक्त व सभापति के सामने मांग रखने की बात कही। मंच संचालन पूर्णसिंह सैनी ने किया। संयोजक एवं महात्मा फुले युवा संगठन के अध्यक्ष संजय सिंगोदिया व भवानीशंकर पंवार ने आभार व्यक्त किया।

बगड़ : सैनी समाज संस्था की ओर से बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की 128वी. पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय समता परिषद के महामंत्री एम.के. शास्त्री के फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचरों को आत्मसात करने का आहवान किया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष श्यामलाल सैनी, किशनलाल, श्रीराम, रातनिवास, बाबूलाल सैनी, नरेंद्र, राकेश सैनी आदि उपस्थित थे।

उदयपुरवाटी : सैनी मंदिर में एक समारोह आयोजित कर महात्मा ज्योतिबा फुले की 123वीं पुण्यतिथि व गुरूनानक जयंती मनाई गई । कई वक्ताओं ने विचार प्रकट कर दोनों समाज सुधारकों के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही गई। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव के सैनी की अध्यक्षता में हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। इस अवसर पर फूलचंद कटारिय, बद्रीप्रसाद सैनी, महेश सैनी, गोमा राम गुर्जर, राकेश जमालपुरिया, हंसराज छापो ली, विोद सैनी, आदि उपस्थित थे। उधर धोबीघाट के निट कॉलेज में फुले की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में श्रवण सैनी, बसपा प्रवेश महामंत्री प्रेम नायक, पूर्ण मल सैनी, जतन सैनपी, सुरेंद्र गुर्जर, विनोद सांखला, अजय तसीड़ आदि ने संबोधित किया।

बाघोली : गांव के राजीव गांधी सेंटर मे महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि मनाई गई । लोगों ने फुले की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। अध्यक्षता सरपंच फूलचंद सैनी ने की। मुख्य अतिथि पूर्ण मल सैनी थे। इस मौके पर जतन किशोर सैनी, मेघराज, पंच किशनलाल, बाबूलाल जांगिड़ आदि उपस्थित थे।

दिल्ली : महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान द्वारा सामाजिक क्राँती के अगदूत महात्मा जोतीराय फुले की 122वीं की पुण्य तिथि मनाई इस अवसर पर महासचिव रामनारायण चौहान ने कहा कि भारत के शोषित पीड़ित समाज में सामाजिक बराबरी का अवसर दिलाने के लिए महात्मा जोतीराय फुले ने रोजगार मूलक शिक्षा के देश के विद्यार्थियों को दिए जाने का मार्ग प्रशस्त किया और फुले तो सभी मनुष्यों को शिक्षित होकर मानव जीवन जीने लायक बनने पर जोर देते थे। उन्होंने अनिवार्य पर शासन प्रशासन को आगाह किया हन्टर आयोग को ज्ञापन देकर भारत की शिक्षा पद्धति में बदलाव लाने के लिए प्रयास किया।

महात्मा जोतीराव फुले के आदर्शो की शिक्षा दिए जाने के सम्बन्ध में महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान की स्थापना की गई है। जिसमें सी.बी.एस.ई. कोर्स से शिक्षा दी जाएगी। संस्थान का प्रयास है कि 500 एकड़ के एक ही परिसर में कक्षा 6 से 1 लाख विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा, छात्रावास, रहन सहन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा इसी परिसर में विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं में भाग लेने हेतु समाज के 10,000 विद्यार्थियों को नि:शुल्क कोचिंग की सुविधाए भी उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए संस्थान द्वारा देशभर में आजीवन सदस्यता का अभियान चलाया जा रहा है।

मानसिंह सैनी नव अध्यक्ष नियुक्त

भरतपुरत सुरज पोल चौराया हनुमान जी के मन्दिर पर माँ सावित्रीबाई फूले न्योतिरावा राव फुले सीमिति भरतपुर की मिटिंग में आगामी एक वर्ष के लिये श्रीमानसिंह सैनी को सव्र सम्मिति से अध्यक्ष चुना गया । श्रीमानसिंह सैनी ने अपनी नवीन कार्य कारणी निम्न प्रकार घोषित की ।

संरक्षक-श्री जुगल किशोर सेनी (सैनी मिष्ठान भंडार)
सस्थापक - श्री हरिसिंह सैनी (पूर्व अध्यक्ष)
अध्यक्ष - श्री मानसिंह सैनी
व. उपाध्यक्ष - श्री रामचंद सैनी
क. उपाध्यक्ष - श्री लोकेश सैनी
मंत्री - श्री अनूपसिंह सैनी,
कानून मन्त्री- श्री सर्वेश सैनी, जितेन्द्र सैनी
कोषाध्यक्ष- श्री जगदीश सैनी (कम्पाऊन्डर)
सह कोषाध्यक्ष- धमेन्द्र सैनी, देवेन्द्र सैनी
मंच संचालन - श्री किशनसिंह व्याख्याता, जगदीश आर्य (कुम्हरे गेट)
लेखाधिकारी - श्री मदनलाल सैनी
खादय मन्त्री - श्याम सैनी, श्री रोशन सैनी, श्री गोविन्द सैनी हलवाई
ऑडीटर - संजय सैन, श्री पदग सैनी, श्री राजेन्दर सैनी
सहऑडीटर - विष्णु डाां. गंगाघर, श्री निन्नु राम, पप्पू सैनी
उपसंगठन मंत्री - गौरव सैनी, जीटू सैनी, बंटी सैनी
सूचना सेनी - गौरव सैंी जीतू सैनी, बंट सैनी
महिला कार्यकर्ता - श्रीमती - बबली आर्य
व्यवस्थापक - श्री राम स्वरूप सैनी, पुरूषोतम ठेकेदार, प्रेम सैनी प्रोपर्टी डीलर, उदयसिंह सैनी प्रोपटीडीलर, श्री कन्हैया लालसैनी (न्याय विभाग)
उपमंत्री - श्री गोरीशंकर सैनी
कार्यालय सचिव - श्री जितेनद्र सैनी, श्री नीरज सैनी
उपकार्यालय सचिव - श्री रामस्वरूप सैनी
सलाहकार मन्त्री- रोशनलाल, श्री किशनलाल श्री चरनसिंह
सांस्कृति मंत्री-दीपचंद पुजारी, श्री हरीश सैनी
प्रवक्ता - श्री नवीन सैनी

बधाईयों का लगा ताँता : माँ सावित्री बाई फुले ज्योतिबाराव फुले समिति भरतपुर के वार्षिक चुनाव में सभी संस्थ सदस्यों ने नेय चेहरों को आगे लाने के लिये समाज के कर्मठे कार्यकर्ता श्रीमानसिंह सैनी को सर्व सम्मति से समिति का नव अध्यक्ष मनोनीत किया। सभी समाज बन्धुओं न कर तल ध्वनि से इस निर्णय का स्वागत किया। भुसावर से बाबूलाल सैनी, श्री विशम्वर दयाल सैनी नगर से श्री रमनलाल चैयर मैन, श्री फन्ते सैनी, बरनाबई से श्री प्रेम सिंह सैनी, नदवई से श्री धनश्याम पत्रकार सीकर से आचार्य रामगोपाल सैनी जयपुर से वेद प्रकाश आर्य भरपुर से श्री हरिसिंह सेनी श्री किशन लाल फोरमैन, श्री भरत सैनी पक्का बाग मे अपनी शुभकामनाऐं दी ।

महात्मा फूले 122वीं पुण्यतिथि पर विशेष

महात्मा जोतीराव फुले अष्ट पहलू के थे

महाराष्ट्र के पुणे शहर में 11 अप्रेल 1827, को माली गोविन्द राव क यहाँ चिमना बाई कि कोख से जोतीराव का जन्म हुआ। महात्मा जोतीराव फुले आधुनिक महाराष्ट्र की सामाजिक क्राँती के अग्रदूत, परम्परागत समाज-व्यवस्था कि विरूद्ध बगावत करने वाले पहले महापुरूष, हजारों वर्षो से चली आई धार्मिक तानाशाही को चुनौती देकर उसके अंजर-पंजर ढीले कर देने वाले कर्मठ समाज सुधारक, सचे अर्थो में मानवता वादी महात्मा थे। महात्मा वही होता है, जो सभी स्त्री पुरूषों को समानता , स्वतन्त्रता तथा बन्धुता का लाभ दिलवाने के लिए संघर्ष करता है। जो किसी मनुष्य से द्वेष नही करता। और मानव के प्रति करूणा भाव से भरकर सभी मावन के समान अधिकारों के लिए जीवन भर लड़ता है। जोतीराव ने समाज की प्रवृति में अवरोधक दुष्ट रूढ़ियों को दतोड़कर धर्म को विकासोन्मुख किया। जोतीराव ने महाराष्ट्र को धार्मिक गुलामी से मुक्त कर दिया। वे धार्मिक, सामाजिक आर्थिक आदि किसी क्षेत्र में गुलामी को रहने देना नहीं चाहते थे। और वे जनता को शुद्र धर्मो, पथों, सम्प्रदायों के सर्कीण दायरे से निकाल कर मानव धर्म के महासागर में ले जाना चाहते थे। उनका बहुआयामी व्यक्तिगत का प्रमाण है कि-

उन्होंने 1846 मे पहली कन्याशाला खोली और 1851 मे अछुतों के लिए पहली पाठशाला खोली। हिन्दू धर्म के शुद्रो तथा अतिशुद्रों के कष्टों तथा दुखों और यातनाओं को अभिव्यक्ति दी। अपना कुँआ अछुतों को पानी पीने के लिए खोल दिया। विधवाओं के अवेध बच्चों के लालन-पालन के लिए 1863 मे बाल हत्या प्रतिबन्धक ग्रह खोला। विधवा-विवाह का समर्थन कर 1864 में विधवा-विवाह सम्पन्न करवाया। विधवाओं की गुप्त तथा सुरक्षित प्रसुति के लिए प्रसुतिग्रह खोला औरा उस प्रसुतिग्रह में जन्में ब्राह्मण काशी बाई के बच्चे को गोद लिया। ब्राह्मण विधवाओं के मुन्डन (केश-वेपन) को रोकने के लिए नाईयों को संगठित किया। बात विवाह किया। धर्ममूलक विषमता का उन्मूलन करने के उद्धेश्य से 24.09.1873 को ''सत्यशोधक समाज'' की नींव डाली। शादी ब्याह में संस्कृत मंत्रों को जो समझ में नहीं आते उसके बदले मराठी में सर्वबोधगम्य मंगल मंत्र और उनका प्रचार किया। छत्रपति शिवाजी महाराकी समाधि रायपुर में खोजकर उसके सुचारू रूप दिया। मुम्बई में श्री नारायणा मेघाजी लोखण्डें के सहयोग से सन् 1879 में मिल मजदुरों का पहला मजदुर संगठन बनाया। जमीदारों के जुल्मों से पीड़ित किसानों की मदद की। किसानों की दुर्दशा की ओर डयूक आफ कनॉट तथा भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का ध्यान दिलाया। वरिष्ट वर्गो की मानसिक दासता में मुक्त कराने के लिए ग्रन्थ लिखकर शुद्रों तथा अतिशुद्रों मे जागृति लाने का प्रयास किया। अपनी पत्नि सावित्री बाई फुले को घर में शिक्षित कर प्रथम भारतीय अध्यापिका बनाया।

ये सभी कार्य उन्होंने उस समय किया जब इनको करने के बात तो दूर रही. इनके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। महात्मा ज्योतिबा फुले का महत्व इसी बात से स्पष्ट हो जाता है कि वे तत्कालीन समाज को धर्म युग से निकाल कर तर्क युग में ले आए. धार्मिक अंधविश्वास के पारम्परिक मध्य युग से बुद्धवाद के आधुनिक युग में ले आए। फुले क समकालीन महान क्रान्तीकारी कार्लमार्क्स (1818-1883) जिनके सिद्धान्तो मे आज भी विश्व में उथलपुथल मची हुई है। इन दोनों के कार्य तथा उद्धेश्य एक समान थे। शोषित तथा पीड़ितो को शोषण तथ ठगी से मुक्त करना, और अज्ञान तथा अन्याय को हमेशा के लिए दफना देना। इसी कारण कार्लमाक्स महात्मा है तो जोतीराव महात्मा के महात्मा है। (महात्मा गाँधी ने भी फुले का असली महात्मा बताया)

जोतीराव ने अज्ञान का कारावास तोड़ डाला, जन्मगत विषमता का जाल तोड़ दिया, विश्द का ज्ञान भंडार सब के लिए खोल दिया ओर निरर्थक अंधविश्वासस को चुनौती देकर हिन्दू धर्म के क्रांति कर दी। जोतिराव ने पही बार समग्र क्राँती का शंख फुका और गांव-गांव, घर-घर पार्वत-घाटी से समानता की वायु बहने लगी है। जोतीराव व्यक्ति नहीं शक्ति थे। उनक अर्थक प्रयासों का ही फल है कि आज न्याय, शिक्षा, ज्ञान, कार्यशीलता तथा प्रगति में बाधा संकटों का पहाड़ नष्ट सा हो गया हैं। फुले अटल ध्रुव तारें की, सहादि पर्वत की शंख कार चोटी की तरह है।

वे कहते थे कि इस जगत का निर्माण कर्त्ता एक ही है वह सर्वत्र व्यापक, निमुणे, निराकार और सत्यस्वरूप है। विश्व के सभी नर-नारी उसकी संताने है। वे यह भी कहते थे कि सर्वव्यापी निर्माण कर्त्ता की भक्ति करने के लिए किसी पंडित-पुरोहित की आवश्यकता नहीं है। इस मनुष्य अपनी धार्मिक विधियां स्वयं कर सकता है। मनुष्या जाति से नहीं कर्मो से श्रेष्ठ बनता है। वे जाति प्रथा के विरोधी थे। महात्मा जोतीराव फुले केवल समाज सुधार करना नहीं चाहते थे, वे एण्क वर्गहीलन और शोषणमुक्त समाज का निर्माण करना चाहते थे। सामाजिक क्राँति करना चाहते थे। इसी कारण उन्हें ''सामाजिक क्रांति करना चाहते थे। इसी कारण उन्हें ''सामाजिक क्रांति का अग्रदूत'' कहा जाता है। समाजिक क्रांति के लिए तीन बातें करना आवश्यक था।

1. तत्कालीन शोषित-उपेक्षित जनता को अपने गुलामी और शोषण की प्रतिती कराके उसके प्रति उसके मन में क्रोध उत्पन्न करना।
2. शोषितों में आत्मसम्मान जगाना।
3. विभिन्न जातियों में बंटे हुए शुद्रातिशुद्र वर्ग में मूलत उनके एक होने का भाव उत्पन्न करना।

हजारों वर्षो से चली आइ मानसिक दासता के कारण फुले का हर कार्य सर पटक कर पहाड़ तोड़ने जैसा असंभव कोटी का था, लेकिन वे लगातार प्रहार करते रहे। वे प्रथम व्यक्ति है जिन्होंने शुदातिशुद्रों में आत्मसम्मान जगाया और शुद्रों को बताया कि उनकी समाजिक दासता उनके पूर्व जन्मों का फल नहीं है, यह अशिक्षा और शताब्दियों से सौंपी गई मानसिक दासता का फल है।

महात्मा जोतीराव फुले के अष्ट पहलू है। शिक्षा, नारीशिक्षा, उन्नतकृषि समाज सुधार, लेखन, मजदूर नेता, ठेकेदार, राजनेता। उन्होंने हर पहलू पर समाज सुधार के लिए एक मंत्र दिया कि-

विद्या बिना, मति गई, मति बिना, नीति गई,
नीति बिना गति गई, गति बिना, वित्त गया।
वित्त बिना, लाचारी-गरीबों आई, इतने अनर्थ एक विद्या बिना हुए।

महात्मा जोतीराव फुले सार्वजनिक सत्य धर्म भाग-2 अधूरा लिख पाए ओर जब उन्हे पक्षाघात हो गया तो दूसरे हाथ से ही लिखा और लिखते लिखते 28 नवम्बर 1890 को उनकी मृत्यु हो गई। उनके अधुरे साहित्य को गोद लिए पुत्र यशवन्त ने सावित्रीबाई की प्रेरणा से पूरा लिखा।

आज का मानव, समाज, शासन व प्रशासन को महात्मा जोतीराव फुले के आदर्शों के उदाहरण लेकर मानव कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा ले सकते है।

भवदीय

जैतारण नगर (पाली राज.) के इतिहास में पहली बार

सर्वजन हियात : सर्वजन सुखाय

सेवा-संस्थान की स्थापना

यद्यपि हम मानव हैं, हमारे जीवन में गुण दोष स्वभाविक रूप से विद्यमान है। सर्वतो प्रकरण दोष मुक्त होकर सत्कार्य में प्रवृत्त होना हमारे लिए बहुत कठिन है। लेकिन पीड़ित, दीन-दु:खी जरूरत मंद की यथासंभव सेवा करना हमारे लिए असम्भव नही है। मानव होने के नाते ऐसा करना हमारा धर्म है। वैसे भी प्रत्येक सदगृह को अपनी कमाई का निश्चित भाग परोपकार में लगाना ही चाहिए। इस लोक में मनुष्य जन्म तथा अगले जन्म सार्थकता के लिए मानवीय गुणों से युक्त जीवन जीना तथा परोपकार में लगना अत्यन्त आवश्यक है। इस दृष्टि से आजकल प्रत्येक नगर-गाँव में सेवा संस्थान स्थापित किये गये है। जैतारण नगर में ऐसे किसी बड़े सेवा संस्थान की अब तक कमी महसुस की जा रही थी। अब आप जैसे पुण्यात्माओं के सहयोग से इस कमी की भी पूर्ति होने जा रही है।

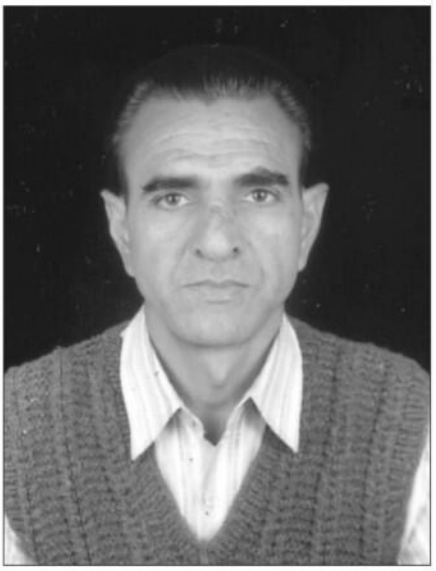

यद्यपि जैतारण कस्बे तथा आसपास के क्षेत्र में कई ऐसे छोटे-बड़े सेवा संस्थान स्थापित है तथा अपने स्तर पर सेवा का कार्य करते भी है। हम उनकी सेवा भावना को नमन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की भी शुभकामना करते है। सेवा सहयोग के इसी अभियान में एक ओर अध्याय जोड़ने की दृष्टि से एक नया सेवा संस्थान जैतारण में स्थापित करने का विचार मन मस्तिष्क में आया। आप जैसे शुभचिंतकों से सलाह मशविरा तथा सहयोग समर्थन के आश्वासन के पश्चात् आपसे भी इस सेवा संस्थान की स्थापना तथा इसे सक्रिय करने में पूर्ण सहयोग करने की अपील की जाती है। सेवा संस्थान का उद्देश्य समर्पित भाव से सेवा करना है, फिर भी जिज्ञासुओं की जानकारी से स्पष्ट किया जाता हैं कि प्रस्तावित सेवा संस्थान का मुख्य उद्देश्य जाति, धर्म के दायरे से ऊपर उठकर नि:स्वार्थ भाव से दीन-दु:खी पीड़ित, असहाय, रोग ग्रस्त, विकलांग व अन्य जरूरत मंद प्राणियों की सेवा करना है। सेवा के दायरे का विस्तार संस्थान के सदस्यों के सहयोग पर निर्भर करता है।

आप सभी सुधी पाठकों से क्रम बद्ध निवेदन है कि यदि आपके मन में भी ऐसे जरूरत मंद व्यक्तियों निस्स्वार्थ भाव से सेवा करेन की हार्दिक इच्छा है तो इस प्रस्तावित सेवा संस्थान से अवश्य जुड़ें, इसकी सदस्यता ग्रहण करें, इसे अपना समर्पित सहयोग-समर्थन अवश्य प्रदान करें। यद्यपि प्रस्तावित सेवा संस्थान के उद्देश्य, कार्यक्षेत्र, सदस्यता नियम आदि अंतिम रूप से संस्थान की कार्यकारिणी के गठन के पश्चात् तथा रजिस्ट्रेशन से पूर्व सदस्यों द्वारा ही निश्चित किये जायेंगे। फिर भी मौटे तौर पर संस्थान की सदस्यता के लिए अस्थायी रूप से यह आवश्यक है कि -

1. आप में निस्वार्थ भाव से तन-मन-धन से सेवा व सहयोग की भावना हो।

2. आजीवन सदस्यता के लिए 11 हजार रूपये का न्यूनतम आर्थिक सहयोग। संस्थापक सदस्यता के लिए 1 लाख रूपये का न्यूनतम आर्थिक सहयोग । सेवा भावना रखने वाले महानुभवों को अभी केवल लिखित रूप से अपनी सहमति देनी है। अभी किसी से कोई धनराशि नहीं ली जायेगी। जैसे ही 20-25 महानुभवों से सदस्यता की सहमति प्राप्त हो जायेगी अस्थायी रूप से संस्थान की कार्यकारिणी निर्वाचित की जायेगी। सेवा संस्थान के नियम, उद्देश्य, संविधान आदि का प्रारूप तैयार कर इसका रजिस्ट्रेशन करवाया जायेगा। पंजीकरण के पश्चात् ही सदस्यता राशि ली जायेगी और इसकी रसीद दी जायेगी। आय-व्यय का पुरा हिसाब ईमानदारी से आधारित किया जायेगा। तदुपरांत एक साद किन्तु भव्य समारोह के साथ संस्थान अपना सेवा कार्य प्रारम्भ कर देगा। संस्थान की स्थायी सदस्यता, सरंक्षक/संस्थापक सदस्यता ग्रहण करने वाले हर समाजसेवी का जीवन परिचय (फोटो सहित)''महात्मा फुले जागृति'' पत्रिका में प्रकाशित किया जायेगा। संस्थान के आय-व्यय, सदस्यता तथा प्रत्येक सेवा गतिवविधि का अभिलेख (रिकॉर्ड) स्थायी रूप से संधारित किया जायेगा।

प्रतिवर्ष आय-व्यय रिकॉर्ड की ऑडिट हागी। ऑडिट रिपोर्ट संस्थान की आम सभा/कार्य-कारिणी के समझ समीक्षा के लिए प्रस्तुत की जायेगी। सेवा के नाम पर स्वार्थ सिद्धि करने वाले, पद-नाम, यश की इच्छा रखने वाले के लिए संस्थान में कोई स्थान नही रहेगा। पत्रिका मे नाम-परिचय आदि का प्रकाशन मात्र रिकॉर्ड संधारन व दूसरों को प्रेरणा प्रदान करने के उद्देश्य से होगा न कि यश प्राप्ति या नाम प्रचार के उद्देश्य से। अत: दीन दु:खियों की सेवा का पुण्य लाभ प्राप्त करने की इच्छा वाले महासनुभाव कृपया सेवा संस्थान से अवश्य जुडे।

अस्थायी रूप से निम्न प्रकार की सेवाएँ करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य रहेगा :-

1. अस्पतालों में भर्ती रोगियों की सेवा/सहायता करना ।
2. अन्य रोगियों (Outdoor Patients)की आवश्यकतानुसार सेवा-सहायता।
3. नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन करना।
4. रक्तदान शिविरों का आयोजन कर आशार्थी को लाभान्वित करना।
5. असाघ्य रोग से पीड़ित व असमर्थ रोगियाँ की सहायता ।
6. अनाथ असहाय, अनिच्छित बालक/बालिकाओं के लिए यभासम्भ

सेवा-सहयोग।

7. आकस्मिक दुर्घटना ग्रस्त/देवी/ प्राकृतिक आपदाग्रस्त व्यक्तियों की यथासंभव सहायता।
8. गोवंश की रक्षार्थ गोशाला की स्थापना व सञ्चालन।
9. समाज के वरिष्ठ नागरिकों/बुजुर्गो का सम्मान तथा आवश्यकतानुसार सेवा-सहयोग।

सेवा का विस्तारव व्यापकता प्रस्तावित संस्थान के सदस्यों के सहयोग व सक्रियता पर निर्भर करता है। जितना अधिक व व्यापक सहयोग/ समर्थन प्राप्त होगा सेवाओं का दायरा उतना ही अधिक बढ़ेगा। प्रस्तावित सेवा संस्थान का समस्त प्रारूप तो इससे जुड़ने वाले सेवाभावी महानुभाव ही निश्चित करेंगे। मैं तो केवल सेवा की भावना हृदय में रखते हुए आपसे यह अपील करता हूँ कि आप भी अवश्यमेव इस संस्थान से जुड़े तथा नर रूप में नारायण की सेवा कर अपने-अपने माता-पिता तथा अपने समाज का मस्तक गर्व से ऊँचा करें। कहा जाता है कि **''Charity begins at home अर्थात''** शुभकार्य की शुरूआत पहले घर से ही होती है अत: मैं स्वयं अपनी तरफ से 1 (एक) लाख रूपये देकर संस्थान की संस्थापक सदस्यता स्वीकार करता हूँ। संस्थान के नामकरण विधिवत गठन तथा रजिस्ट्रेशन के पश्चात् यह राशि संस्थान के खाते में जमा करवा दी जायेगी। इस घोषणा का साथ ईश्वर से प्रार्थना भी करता हूँ कि वह मुझे पूरी ईमानदारी, सत्य निष्ठा व लगन के साथ संस्थान में रहते हुए सेवा करने की शक्ति व बुद्धि प्रदान करें।

किशनलाल साँखला पुत्र स्व. श्री रामसुख साँखला
पोकरणा की पोल , जैतारण (जिला-पाली) राज.,
वर्तमान-शैक्षिक प्रकोष्ठ अधिकारी, उपनिदेशक (मा.)

विनम्र अपील

साथ ही आप सबसे भी विनम्र अपील करता हूँ कि पीड़ित मानवता/अन्य प्राणियों की सेवा के लिए प्रस्तावित सेवा संस्थान की सदस्यता स्वीकार करें। अभी केवल अपनी सहमति निम्न प्रारूप में दें। आप सबके सहयोग/समर्थन/सुझाव से शीघ्र ही सेवा संस्थान का नामकरण, कार्यकारिणी चुनाव, पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) आदि की कार्यवाही यथोचित समय पर शीघ्र की जायेगी। कृपया सक्षम व्यक्ति अपनी सहमति प्रदान कर संस्थान की कल्पना को साकार स्वरूप प्रदान करें। अन्य बंधु मन-वचन से समर्थन दें। आपका व्यापक सहयोग व समर्थन मिलने पर ही संस्थान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा तथा विधिवत गठन की आवश्यक कार्यवाही तथा सेवा शीघ्रति शीघ्र शुभारम्भ भी आपके सहयोग व समर्थन पर ही निर्भर करता है।

प्रस्तावित सेवा संस्थान की सदस्यता हेतु सहमति पत्र

मैं _____ पुत्र श्री _____
निवासी _____ स्वेच्छा से _____ रूपये देकर सेवा संस्थान की _____ सदस्यता के लिए अपनी सहमति प्रदान करता हूं।

हस्ताक्षर
नाम, पता व मोबाइल नं.

शुभ सूचना : जैतारण में प्रस्तावित सेवा संस्थान की स्थापना की चर्चा सुनने मात्र से जिन पुण्यशाली महानुभवों ने 11000/- रूपये देकर संस्थान के आजीवन सदस्यता हेतु अपनी स्वीकृत प्रदान की है।

संस्थापक सदस्य
1,00,000 रूपये
सहयोग राशि

श्री किशनलाल सांखला
पुत्र स्व. श्री रामसुखजी सांखला
पोकरणा की पोल, जैतारण, पाली
नागौरीगेट, जोधपुर
मो. : 8290750828

श्री मोतीलाल सांखला
पुत्र स्व. श्री चिमनारामजी सांखला
निवासी : फालना (पाली)
राष्ट्रीय अध्यक्ष, ज्योति बा फूले,
जागृति मंच तथा प्रदेशाध्यक्ष,
अखिल भारतीय समता परिषद, राज,
मो. : 9414398700

श्री लक्ष्मीनारायण गहलोत
पुत्र स्व. श्री रतनलालजी गहलोत
प्रधानाध्यापक :
रा.मा.वि. खोडिया पाली
समाजसेवी, माली समाज जैतारण
मो. : 9783737902

श्री जितेन्द्रसिंह सांखला
पुत्र श्री भंवरलालजी सांखला
समाजसेवी, माली समाज, जैतारण
व व्यवस्थापक ज्ञानदीप मा. वि.
गायत्री मन्दिर के पास, जैतारण पाली
मो. : 9214594442

श्री अशोक सांखला
पुत्र श्री किशनलाल सांखला
नागौरी गेट, जोधपुर
मो. : 9460956971

कृपया आप भी संस्थान की सदस्यता हेतु अपनी सहमति प्रदान कर पुनीत कार्य के भागीदार बनें।

माली संस्थान, जोधपुर के चुनाव 23 दिसम्बर, 2012 को

जोधपुर । जोधपुर माली संस्थान के चुनाव 23 दिसम्बर, 2012 को प्रस्तावित है माली संस्थान जोधपुर की कार्यकारिणी मिटिंग में श्री राजेन्द्र भाटी को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया।

चुनाव अधिकारी श्री राजेन्द्र भाटी ने चुनाव कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि माली संस्थान, जोधपुर के संभाग जोधपुर में माली समाज के कोई भी समाजबंधु माता, बहन युवा जो कि 18 वर्ष पूर्ण कर चुके है तथा जो माली समाज के है वो रूपये 1000 देकर आजीवन सदस्य या रूपये 300 देकर साधारण सदस्य बन कर इस चुनाव में भाग ले सकते हैं वर्तमान में माली संस्थान के 7000 सदस्य है तथा जो व्यक्ति दिनांक 5 दिसम्बर, 2012 तक इस संस्थान का सदस्य बन जायेगा वो इस चुनाव में भाग ले सकता है तथा उसे चुनाव में मतदान करने का अधिकार होगा।

इस चुनाव में मतदान के समय भारत सरकार के द्वारा प्रमाणित फोटो युक्त पहचान पत्र साथ में लाना अतिआवश्यक होगा। जिसके बिना मतदान नहीं किया जा सकेगा। मतदान कार्यक्रम महामंदिर स्थित सुमेर उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में होगा व शेष गतिविधियां संस्थान कार्यालय में संपन्न होगी।

माली संस्थान, जोधपुर

कार्यालय : नेनूराम अचल स्मृति भवन, महामंदिर, मण्डोर रोड़, जोधपुर। फोन नं. 2543905 (ऑ.), 2541594 (घर्म.)

क्रमांक :- ..... दिनांक :- .....

चुनाव सूचना 2012

माली संस्थान के संविधान के भाग दो की धारा तथा चुनाव नियमावली के अंतर्गत निम्नलिखित निर्देशों व कार्यक्रम के अनुसार माली संस्थान के निम्न पदाधिकाारियों का चुनाव कार्यक्रम इस प्रकार होगा।

1. **चयनित होने वाले पदाधिकारियों का विवरण :**
   (1.) **अध्यक्ष** : एक (2.) **उपाध्यक्ष** : एक (3.) **मंत्री** : दो
   (4.) **संयुक्त मंत्री**: एक (5.) **संगठन मंत्री**: एक (3.) **कोषाध्यक्ष**: एक
2. **चुनाव निर्देश :** उपरोक्त चुनाव में वो ही सदस्य भाग ले सकेंगे जो माली संस्थान के पदाधिकारियों के चुनाव हेतु नियमानुसार योग्यता रखते है अर्थात जिन्होंने दिनांक 05.12.2012 को सायं 5 बजे तक संस्थान की सदस्यता ग्रहण कर ली है।
3. **चुनाव कार्यक्रम :**

(1)	सदस्यता सूची में आपत्ति अथवा संशोधन	: 05.12.2012 सायं 5 बजे तक।
(2)	मनोनयन पत्र प्राप्त करने की तिथि	: 08.12.2012 दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक।
(3)	मनोनयन पत्र जमा करवाने की तिथि	: 09.12.2012 दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक
(4)	मनोनयन पत्रों की जांच	: 10.12.2012 को।
(5)	मनोनयन पत्रों के नाम वापसी की तिथि	: 12.12.2012 दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक
(6)	चुनाव चिन्ह आवंटन	: 12.12.2012 सायं 5 बजे के पश्चात्।
(7)	चुनाव मतदान द्वारा यदि आवश्यक हुआ तो	: 23.12.2012 प्रात: 8 बजे से 4 बजे तक
(8)	चुनाव परिणामों की घोषणा चुनाव सम्पन्न व गणना पूर्ण होने के पश्चात्।	

नोट :- (1) मतदान कार्यक्रम श्री सुमेर उच्च माध्यमिक विद्यालय महांदिर जोधपुर के परिसर में होगा व शेष गतिविधियाँ संस्थान कार्यालय में सम्पन्न होगी।
(2) संस्थान के माननीय सदस्य जो दिवंगत हो गये है उनके परिजन कृपया सूचित करें।

राजेन्द्र सिंह भाटी, (चुनाव अधिकारी)

कांगो में शहीद हुए सैनिक धर्मपाल सैनी की राजकीय सम्मान से हुई अन्त्येष्टि।

पुत्रियों ने दी चिता को मुखाग्नि

खेतड़ीनगर (झुंझुंनूं)। ढाणी जैसावाली-गोठड़ा का बहादुर सैनिक धर्मवीर सैनी (33) भारतीय सेना की अफ्रीका के कांगो देश में तैनात यूनियन मिशन की गार्ड्स बटालियन मेंलगा हुआ था। ड्यूटी के दौरान वह शहीद हो गया।

कांगो से शहीद की पार्थि देह पैत्क गाँव गोठड़ा (खेतड़ीनगर) लाई गई। यहाँ राजकीय सम्मान के साथ अन्त्योष्टि में सर्व समाजों के हजारों लोगों की भीड़ उपस्थित हुई। लोग नारे लगा रहे थे- जब तक धरती चाँद रहेंगे । धर्मपाल तेरा नाम रहेगा। धर्मपाल सैनी की 10 व 12 वर्ष की 2 पुत्रियों ने चिता को मुखग्नि दी।

सेना की 7 डोगरा बटालियरन की टुकड़ी तथा राजस्थान पुलिस की टुकड़ी ने पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर सलामी दी ।

अन्येष्टि में राजस्थान सरकार के मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह, जिला कलक्टर, एस.जी., एस डी एम, तहसीलदार, पंचायत समिति प्रधान, सरपंच, थानाधिकारी पुलिस उपप्रधान, पूर्व विधापक, पूर्व सरपंच तथा कांग्रेस, भाजपा व अन्य कई दलों के पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

ऑल इण्डिया सैनी समाज सेवा समिति के त्रैवार्षिक चुनाव 25 दिसम्बर, 2012 को होगे।

दिल्ली। आलें इन्डिया सैनी सेवा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. इन्दराजसिंह सैनी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। जिसमें निर्णय लिया गया कि दिनांक 25 दिसम्बर 2012 प्रात: 11 बजे सैनी भवन स्थल, टीवीएस शोरूम के सामने, मंगोलपुरी दिल्ली-85 में त्रैवार्षिक चुनाव होंगे ।

समाज के महसचिव श्रीपाल सैनी ने बताया कि देश भर के सैनी माली कुशवाहा, शाक्य मौर्य समाज के लोग 1100/- रू. आजीवन सदस्यता अथवा रू.300/- टर्म सदस्य बनने हेतु दिनाँक 15.12.2012 तक जमा करा सकते है। जो सदस्य होगे उनमें से 51 सदस्यों की कार्यकारिणी समिति का चुनाव होगा । फिर कार्यकारिणी द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारियों का चुनाव होाग । जो तीन वर्ष के लिए निर्वाचित होगे ।

श्रीपाल सैनी ने बताया कि में श्री रघुवीर सिंह सैनी, श्री चुन्नीलाल सैनी, श्री मोतीलाल कुशवाहा गोल्फ गुरू को चुनाव आयुक्त के रूप नियुक्त किया गया है।

इस अवसर पर समाज की गतिविधियों तथा आय-व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया जाएगा । मिटिंग में सर्वश्री दयाराम सैनी, जय भगवान सैनी, जी.एल.सैनी, एडवोकेट रमेश सैनी, महावीर सिंह सैनी, नरेश सैनी, सुमन सैनी, मन्जीत सिंह सैनी, सोबरन सिंह कुशवाहा, मुनेष रानी सैनी, सैनी रामनारायण चौहान, शिवराज सिंह सैनी और ईश्वर दयाल सैनी आदि उपस्थित थे ।

सुविचार

अवसरों की राह देखने वाले व्यक्ति साधारण होते हैं
जबकि असाधारण व्यक्ति **अवसरों** के जन्मदाता होते है

श्री गजानंद रामी को रामजी महाजन सेवा पुरस्कार

उज्जैन । श्री गुजराती रामी माली समाज के प्रांतीय कोषाध्यक्ष, मासिक पत्रिका ''वनमाली'' के संपादक श्री गजानंद रामी को महात्मा फुले भवन भोपाल में रामजी महाजन सेवा पत्रकारिता पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया । श्री रामी को यह पुरस्कार उनकी उल्लेखनीय समाज सेवा व माली समाज में सामाजिक पत्रिका द्वारा जनजागृति, संगठनात्मक एकीकरण, पिछड़े वर्ग की सेवा के लिए प्रदान किया गया ।

भोपाल में स्वास्थ्य मंत्री श्री महेंद्र हार्डिया क हाथों माली समाज के समाजसेवियों को सम्मानित किया गया । इनमें उज्जैन से श्री गजानंद रामी शमिल थे । उक्त कार्यक्रम में श्री काशीनाथ महाजन जनपद अध्यक्ष बुरहानपुर, श्रीमती आशा मौर्य पूर्व महापौर रतलाम, श्रीपाल सैनी दिल्ली, श्री सरदारसिंह डंगस पूर्व आई.ए.एस. भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेश सांखला अतिथि के रूप में उपस्थित थें श्री रामी को उक्त पुरस्कार प्राप्त होने पर निगम अध्यक्ष श्री सोनू गेहलोत, समाज अध्यक्ष श्री लीलीधर आढ़तीया, श्री सत्यनारायण चौहान, श्री सुनील गोयल, श्री कुंदन माली, श्री गब्बर भाटी, श्री हेमंत सोनोने, श्री अशोक भाटी, श्री सुरेश चोहान, श्री दुर्गेश वर्मा एवं समाज जनो ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी है।

समाजसेवी श्री बाबूलाल सैनी का भव्य स्वागत

भरतपुर । 9 अक्टूबर 2012 को निर्माण उद्योग विकास परिषद नई दिल्ली एवं सैनी माली गैर कौम ऑल डवलपमेंट सोसयटी शाखा भरतपुर के संयुक्त तत्वाधान में श्रमिक कार्य दक्षता प्रमणीकरण प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन सैनी मोहल्ला कुम्हेर गेट भरतपुर के सामुदायिक भवन पर किया गया जिसकी अध्यक्षता नायब तहसीलदार श्री धर्मचन्द सैनी ने की । मुख्य अतिथि निर्माण उधोग विकास परिषद नई दिल्ली के महाप्रबंधक श्री आर. के. मलिक थे । शिविर में सेकडो लोगो ने दक्षता प्रमाण पत्र बनवाने हेतु भाग लिया। जिनमें से साक्षात्कार के बाद केवल 34 श्रमिको को ही दक्षत प्रमाण पत्र हेतु चयनित किया गया। इस शिविर के आयोजक को भाई बाबूलाल सैनी ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

शिविर को सफल बनाने के लिए निर्माण उद्योग परिषद के महाप्रबंधक श्री आर.के. मलिक ने भाई बाबूलाल सैनी को 500रू. का पारितोषिक दिया एवं पुष्पहार पहना कर सम्मान किया । महाप्रबंधक महोदय ने श्रीसैनी को सामाजिक कार्यो में बढ चढ कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया सैनी कर्मठ एवं मेहनती व्यक्ति है। भरतपुर सैनी समाज एवं श्रमिक सुधार समाज कुम्हेर गेट ने भाई बाबूलाल सैनी को हार्दिक बधाई दी । भाई सानू लाल सैनी इस सम्मान का श्रेय समाज सेवी जगदीश आर्य को देते है जिनकी प्रेरणा से कार्यो में जुटे है।

युधिष्ठिर परिहार फलैगशिप योजनाओं के कियान्वय के लिए जिला सहसंयोजक नियुक्त

जोधपुर। जन सहयोग मंच राजस्थान जिला जोधपुर के सह संयोजक के पद पर माली छात्र संघ क्षेत्र मथानिया के अध्यक्ष युधिष्ठिर परिहार को नियुक्त किया गया। जिला संयोजक सांवर परिहार ने माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं प्रदेश संयोजक लोकेश शर्मा के निर्देशों पर युधिष्टिर परिहार के उत्कर्ष्ट कार्यशैली एवं ग्रामीण क्षैत्रों सहित समुचे जिले में युवाओं के प्रति संवेदनशीलता को देखतक हुए सह संयोजक नियुक्त किया।

वर्तमान में छात्र संघ अध्यक्ष पद पर नियुक्त परिहार युवाओं की धडकन बने हुए है और युवाओं में उत्साह व खुशी की लहर छा गई। इस नियुक्ती के लिए युधिष्टिर परिहार ने माननीय मुख्यमंत्री जी प्रदेश संयोजक और जिला संयोजक सांवर परिहार का हार्दिक आभार प्रकट किया।

डीसीपी रघुवीर सैनी ने पकड़ा वैश्यावृत्ति का अड्डा

जयपुर। एडीशनल डीसीपी श्री रघुवीर सैनी ने पुलिस कमिश्नरेट की सी. आई.यू टीम के साथ जयपुर शहर के विद्याधरनगर थाना क्षेत्र में एक ब्यूटी पार्लर में मसाज पार्लर की आड़ में चल रहे सैक्स रैकेट का पर्दाफाश किया हे। टीम ने छापा मारकर 4 लड़कियों, 2 ग्राहकां और पार्लर संचालिका सहित 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल डी.सी.पी.वी सैनी ने बताया कि विद्याधर नगर में सेन्ट्रल स्पाइन के पास 'हनुमंत टावर' में कई दिनों से चल रहे वैश्यावृत्ति के अड्डे को पकड़ा गया है। आरोपी पार्लर संचालिका को भी गिरफ्तार कर लिया है।

धर्मपाल सैनी 12 साल पहले सेना में भर्ती हुए थे। वे 20 सितम्बर 12 को आखिरी बार गांव आये थे। इसके माता-पिता मौजूद' से रिटायर हुए हैं। बड़े भाई राधेश्याम सी.आर.पी.एफ में कार्यरत हैं। शहीद के कोई पुत्र नहीं है। 2 पुत्रियाँ है। शहीद की पत्नी का नाम सन्तरा है।

महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान के 3,333 आजीवन सदस्य बनाने का लक्ष्य

आदिलाबाद। आखिल भारतीय माली महासंघ आन्ध्रप्रदेश के तत्वाधान् में माली समाज के कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ। जिसका उदघाटन ''महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान'' के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकरराव लिंगे ने महात्मा फुले, सावित्री बाई फूले, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्रों पर फूले माला चढ़ा कर दीप प्रज्जवलित किया।

नागपूर के प्रोफेसर अरविन्द माली, अन्जन गांव सुर्जी, पदमाकर बोरड़े, यवतमाल जिला माली महासंघ के अध्यक्ष, राजेन्द्र महाडोले, प्रदेश महासचिव सुरेश गुरनुले, कोषाध्यक्ष सतीश गुरनुले, मीडिया इन्चार्ज सांबन्ना शेंडे ने उदबोधन दिया।

श्री शंकराव लिंगे ने कहा कि माली समाज 16 राज्यों में 16 करोड़ की आबादी में है। उन्होने अपील की कि यदि सभी अपने नाम के आगे या पीछे माली लिखना आरम्भ कर देंगे तो हमे शत् प्रतिशत सामाजिक शैक्षिणिक, राजनैतिक, आर्थिक समस्याओं का हल निकालने का मार्ग प्रशस्त होगा । उन्होने समाज के महापुरूषों के आदर्शो पर चलने का आवाहन किया और कहा कि महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान 1,00,000 विद्यार्थियों को कक्षा 6 से उच्च शिक्षा तक नि:शुल्क शिक्षित करेगा तथा 10,000 विद्यार्थियों को कोचिंग प्रदान करेगा। एक ही परिसर के गुरूकुल में शिक्षित करने का लक्ष्य बनाया है। संस्थान का मुख्यालय दिल्ली में है।

आन्ध्रप्रदेश के अध्यक्ष सुकुमार पेटकुले ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार आन्धप्रदेश से संस्थान के 3,333 आजीवन सदस्य बनाने का के लक्ष्य पूरा करने की घोषणा की। प्रो. अरविन्द माली ने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया तथा उन्होने महात्मा फुले, सावित्री बाई फुले और अम्बेडकर की नीतियों का अपनाकर आर्थिक और राजनैतिक विकास के साथ धार्मिक भ्रष्टाचार को घातक बताया।

समापन्न समारोह के मुख्य अतिथि श्री रमेश राठौर सांसद आदिलाबाद ने आन्ध्रप्रदेश के 13 जिलों की भांति सम्पूर्ण राज्यो के माली समाज को ओबीसी से हटाकर एसटी में शामिल कराने हेतु संसद में प्रस्ताव रखने को कहा और सामाजिक क्रॉंति के अग्रदूत महात्मा जोतीराव फुले की प्रमिमा लगाने तथा समाज की ओर में मंदिर बनाने के लिए रूपए 10 लाख सांसद निधि से उपलब्ध कराने की घोषण की। उन्होंने महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान द्वारा प्रस्तावित ''शिक्षादान की अभिनव योजना'' की प्रशंसा की व अधिकांश लोगों को जुड़ जाने का आवाहन किया।

आयोजन में तेलगू देशम् पाटी के इन्चार्ज पाथल शंकर तथा गणेश शेट्टी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह में से अधिकांश ने संस्थान की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। सर्वश्री उत्तम वाडगुरे, गंगाराम गुरनुले, दीपक शेंडे, राम किशन शेंडे, भीमराव अम्बेकर, अम्बादास गुरनुले, भेरूजी शेंडे, रामाजी मोहुर्ले, अंबादास शेन्डे, भास्कर प्रधान, सुभाष शेन्डे, रामुलू शेन्डे, मुरलीधर नागोशे, शेषराव, नन्दु लेनगुरे, गोविन्द कोटंरगे, श्रीमति मनीषा गुर्नुले, कल्पना पेटकुले, गंगूबाई शेन्डे, विशाखा मोहुले, रेशमा लुमा वाढई, अनुराधा वाढई आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थें। कार्यक्रम अनुराधा वाढई, सुहर्षा पेटकुले, मनीषा वाढई, कोमल वाढई, चन्द्रमा वाढई, सिद्धरूपा वाढई, श्रद्धा वाढई ने दाँडिया तथा ढिंसा नृत्य् प्रस्तुत किया । आभार संतोष गुरनुले ने प्रगट किया।

जीवन परिचय

श्री नारायणलाल सैनी

कुछ तो बस आते जाते है, कुछ जाकर भी रह जाते है

इस संसार में यदा-कदा ऐसे कर्मधन्य ज्योति पुंज पुरूष जन्म लेते है जिनकी प्रेरणा और प्रतिबद्धता सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय होती है। जिनका संकल्पित साहस अदम्य होता है। जो अपनी कर्मठता से औरों को भी ऊर्जान्वित एवं उत्प्रेरित करते है। जो देश्वीयमान सूर्य बनकर औरो का पथ आलोकित करते है तथा शाश्वत प्रेरणा पुँज बने रहते है। अपने सद कार्यो की सुगन्धी छोड़कर ईश्वर के सन्निकट जा बिराजते हैं। ऐसे ही चौधरी नारायण लाल सैनी की अमिट छवि लोगो के दिलों में अमिट जीवन्त है एवं उनके आदर्शो जीवन की चर्चाएं अभी भी बुजुर्ग करते है।

पिता श्री धूरेराम के घर सन् 1860 मे पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई । जिसका नाम नारायण लाल सैनी रखा गया। बचपन से आप बड़े ही होनहार थे वे साक्षर भी थे । आपका बचपन से ही त्याग एवं बगीची बाजी का शौंक था। युवावस्था में आते-आते आपके शील स्वभाव कार्य कुशलता एवं बहादुरी के चर्चे चारो और समाज में फैलने लगे । बस कुछ कर गुजरने की जज्बा मन में चलता रहा । किसी ने ठीक ही कहा है-

अगर उच्च पद चाहता है जगत में मिटा दे है भाई तू अस्तित्व अपना ।
कि जो बीत मिट्टी में मिला जाएगा, बस वही फूलता और फलता रहेगा ॥

इन्हे अपनी जीवनसाथिनी चनदादेवी जी का भी पूरा साथ मिला। उसी समय भरतपुर रियासत के महाराज श्री किशनसिंह ने आपके बहादुरी के चर्चो से प्रभावित होकर आपको राजकीय बगीचों एवं पार्को का लेबर इन्चॉर्ज बना दिया।

आपकी स्वामी भक्ति एवं कार्यकुशलता को देखते हुए महाराजा किशन सिंह ने 90 बीघा जमीन पुरूस्कार स्वरूप आपको भेंट की। परन्तु ये लाइनें इनके जीवन में सअक्षर झलकती थी ।

तन से सेवा कीजिए मन से भले विचार
धन से इस संसार में करिए पर उपकार ॥

दीन दुखियों को अपने दान में मिली जमीन में से 45 बीधा जमीन आपने जीवन की गाड़ी चलाने को दान दे दी।

भरतपुर रियासत में महारजा जसवन्त सिंह के समय पर एक बड़ा मेला लगता था, जिसको जसवन्त प्रदर्शनी क नाम से जाना जाता था। प्रतिवर्ष महाराजा मेला स्थल पर आकर के झण्डा फहराया करते थे और प्रदर्शनी का शुभारम्भ करते थे। सन् 1964 में महाराजा बिजेन्द्र सिंह ने अपने राज्य के सबसे वयोवृद्ध व्यक्ति से झण्डा फहरवाने की बात सोची। सम्पूर्ण रियासत में मुनादी कर दी गई जो सबसे ज्यादा आयु का पुरूष होगा उसे प्रदर्शनी का झण्डा फहराने का सुअवसर दिया जाएगा। बस अब सबसे बुजुर्ग की रियासत में खोजबीन होने लगी। एक बूढी माँ 101 वर्ष आयु की सबसे बुजुर्ग महिला मिली फिर भी वयोवृद्ध की तलाश होती रही और महाराज के कर्मचारियों ने कहा कि महाराज आपके गार्डनर सुपरवाईजर चौधरी नारायण लाल सैनी 104 वर्ष के वयोवृद्ध है। बस इतना सुनता था महाराज ने तुरन्त कर्मचारियों को आदेश दिया कि तुरन्त नारायण जी को ससम्मान उनके सम्मुख उपस्थित किया जाए। राज कर्मचारी रॉयल गाड़ी लेकर तुरन्त चौधरी साहब के निवास पर पहुँचे और चौधरी साहब से कहा कि आपको महाराज ने याद किया है। महाराज का नाम सुनते ही चौधरी साहब बहुत ही घबरा गए और कहा कि भाई मुझसे क्या भूल हो गई अब तो मै राजकर्मचारी भी नही हूँ फिर महाराज साहब ने मुझे क्यों बुलाया है। डरते-डरते आप राजमहल पहुँचे । महाराज ने राज्य के सबसे वयोवृद्ध का बड़ी गर्मजोशी से स्वागत कर ससम्मान सोफे पर बिठाया। और जब राजा ने उम्र की जानकारी ली तो चौधरी साहब ने आपको रोहण करने को कहा । महाराजा साहब ने तुरन्त मोची एवं दर्जी को बुलाकर आपके जूतों एवं कपड़ो का नाप दिया। जसवन्त प्रदर्शनी क उद्घाटन के दिन राज्य की ओर से भेंट जूते, शेरवानी, चूड़ीदार पाजामी पहनाकर रॉयल गाड़ी से आपके कार्यक्रम स्थल पर लाया गया। भरतपुर के इतिहास में पहली बार किसी सैनी जाति के वयोवृद्ध द्वारा विशाल जन समूह के समक्ष झण्डा फहराकर मेले का उद्घाटन किया गया। यह सैनी समाज एवं भरपूर के इतिहास में स्वर्ण अक्षरो से लिखा हुआ है। महाराजा साहब ने उपहार स्वरूप तलवार (खडग) भेंट कर आपका स्वागत किया।

निम्न पंक्तियों को आपके जीवन में समावेश था-

उत्थान पतन जीना मरना सब विधि विधा कहलाते है।
हम भोग योगनपे को जग में कुछ समय यहां पर आते है॥
जीना तो उसका जीना है जो औरो का हित कर जाते है।
वे नारायण के लाल बनकर बस याद सभी को आते हैं॥

आपका स्वभाव शील और हदय में करूणा का सागर हिलोरे लेता था । इस कारण आप सबके अत्यंत प्रिय थे। आजीवन ग्राम पक्का बाग सैनी समाज के मुखिया क पद पर रहे सभी समाज बन्धु आपके आदेशों एवं फैसलों का आदर व विशेष सम्मान करते थे।

एक रोमांचित घटना आप एक दिन दिन में अपने कार्य से अपने फार्म पर लेटे हुए थे पास में ही जंगल था तभी अचानक एक शेर निकल कर आपकी चारपाई के निकट आकर बैठे गया । थोड़ी देर बैठने के बाद वह स्वंय ही उठक चला गया । आपने ईश्वर का दिल से धन्यवाद किया।

आज भी आपके चर्चे व ख्याति भरतपुर सैनी समाज में बुजुर्ग लोग अपनी नई पीढ़ी का सुनाते हैं आपका जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी रहा, आपके सुपुत्र माखन लाल भजनलाल पटेल गोपी व सुपुत्रियों नथिया एवं कमली भी आपके पद-चिन्तों पर चले व समाज को नई आजीवन दिशा दी। सन् 1967 में एक दिन 107 वर्ष की आयु मे आप इस नश्वर शरीर को त्याग कर प्रभु की सत्ता में विलीन हो गए।

खरी-खरी

माली संस्थान अध्यक्ष की राजनीति महत्वकांक्षा के चलते

फलौदी में आयोजित छात्रावास उद्घाटन समारोह में समाज की उपस्थिति नगण्य

माली संस्थान अध्यक्ष ने किया श्री ऊँकारराम कच्छवाहा का अपमान

फलौदी में 23 नवम्बर, 2012 को आयोजित महात्मा ज्योति बा फूले छात्रावास के उद्घाटन समारोह में एक बार फिर माली संस्थान, जोधपुर के अध्यक्ष की राजनीतिक महत्वकांक्षा के चलते फलौदी माली समाज के लोगों में दो फांड किया तथा अपनी छवि बनाने के चक्कर में माली सैनी समाज के गौरव मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत को भी अपने 38 वर्ष की राजनीतिक जीवन में पहली बार इतनी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी।

माली संस्थान जोधपुर के अध्यक्ष ने इस आयोजन की जिम्मेवारी स्वयं ले कर एक बार फिर समाज को बांटने का काम किया। अध्यक्ष महोदय ने इस आयोजन में समाज के दूसरे कद्दावर नेताओं को आयोजन से दूर करने के प्रयास किये। लेकिन फलौदी माली समाज के प्रबुद्ध वर्गो के विरोध के चलते कार्यक्रम से ठीक पहले समाज के अन्य नेताओं को सम्मान प्रदान किय गया। लेकिन माली संस्थान अध्यक्ष के इस रवैये का खामियाजा फलौदी माली समाज के इस आयोजन में दिखने को मिला जिसकी कल्पना स्वयं श्री अशोक गहलोत ने भी नहीं की होगी।

पूर्व में फलौदी में इसी छात्रावास के शिलान्यास समारोह में माली समाज के लोगों ने राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री के स्वागत में पलक पावड़े बिछा दिये थे। उसी प्रांगण में आयोजित इस उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जब इस छात्रावास का उद्घाटन करने पहुंचे तो समाज के गिने चुने लोगों को देख स्वयं मुख्यमंत्री स्तब्ध रह गये। श्री अशोक गहलोत ने फिर भी सहृदयता बताते हुए बिना किसी संकोच के छात्रावास का उद्घाटन फीता काटकर किया तथा छात्रावास का अवलोकन कर अपने अगले कार्यक्रम के लिए निकल पड़े।

समाज के इस आयोजन में समाज के सभी वर्गो की अनुपस्थिति फलौदी ही नहीं वरन् पूरे मारवाड़ में चर्चा का विषय बनी कि ऐसा कैसा हुआ कि मारवाड़ में मुख्यमंत्री आऐ वो भी माली समाज के अयोजन में जिसमें विशाल पांडाल एवं स्टेज सजाया गया लेकिन भीड़ तो दूर मुख्यमंत्री का स्वागत करने के लिए भी गिने चुने समाजबंधु उपस्थित हुए। इस आयोजन से माली समाज की प्रतिष्ठा को गहरा आघात लगा है।

माली संस्थान जोधपुर अध्यक्ष ने उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में जैसे तैसे लोगों को इक्ट्ठा कर मुख्यमंत्री एवं समाज की बदनामी का ढ़कने का नाकाम प्रयास किया।

उद्घाटन समारोह के पश्चात पाण्डाल में उपस्थित समाज के लोगों को अनेकों बहानें बना कर सफाई पेश करने की कोशिश माली संस्थान अध्यक्ष ने की।

उद्घाटन समारोह के पश्चात उपस्थित लोगों को समाज के श्री मोतीलाल सांखला राष्ट्रीय अध्यक्ष महात्मा ज्योति बा फूले जागृति मंच, पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत, फलौदी के विधायक श्री ओम जोशी ने संबोधित किया ।

लेकिन यहां भी माली संस्थान अध्यक्ष की औछी हरकत से पाण्डाल में उपस्थित लोगों एवं स्टेज पर बैठे प्रबुद्ध लोगों को स्तब्ध कर दिया। समारोह को संबोधित करने के लिए राजस्थान माली महासभा के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री ऊँकारराम कच्छवाहा जब माईक की और बढ़े तो माली संस्थान अध्यक्ष ने उनको हाथ से धक्का देकर रोकने का असफल प्रयास किया। लेकिन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री ऊँकारराम कच्छवाह ने उदारता दिखाते हुए किसी प्रकार का विरोध न करके समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित किया तथा समाज एवं सम्मेलन का सम्मान रखा।

श्री ऊँकारराम कच्छवाह से जब इस संबध में जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि यह फलौदी माली समाज का कार्यक्रम है तथा इस कार्यक्रम में समाज के सिरमौर श्री अशोक गहलोत की उपस्थित थी इसलिए मैं इस अपमान के कड़वे घूट को पी गया। माली समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री ऊँकारराम कच्छवाह ने बड़प्पन दिखाते हुए इसे तूल नहीं दिया और अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप व्यवहार किया।

माली सैनी संदेश माली संस्थान जोधपुर के अध्यक्ष को इस औछी हरकत के लिए श्री ऊँकारराम कच्छवाह से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग करता है। तथा इस प्रकरण की घोर निंदा करता है। माली संस्थान अध्यक्ष ने अपनी इस औछी हरकत यह साबित करने के लिए प्रर्याप्त है कि माली संस्थान अध्यक्ष को माली समाज के सभी वर्गो ने नकार दिया है जिसकी खीज उन्होंने श्री ऊँकारराम कच्छवाह पर निकालने की कोशिश की।

माली संस्थान अध्यक्ष अविलम्ब श्री ऊँकारराम कच्छवाह से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगे ऐसा नहीं होने पर माली सैनी संदेश द्वारा माली संस्थान अध्यक्ष का सामाजिक आयोजन में विरोध किया जायेगा।

माली सैनी समाज में लगने वाले गोत्र (उपनाम)

स्वजातिय बन्धुओं के लिए अलग-अलग राज्यों राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र से गोत्र संकलन करके लिखे गए है जो कि अपने माली (सैनी) समाज से सम्बन्ध व रिश्तों में जुड़े हुए है।

➡ **माली (सैनी) समाज में लगने वाले गोत्र (उपनाम) की संख्या 596 जो ज्ञात है**

➡ माली (सैनी) समाज परिवारों में गोत्र (उपनाम) में इनके नख्चा (खाप) है।

- ✸ 66 गोत्र के साथ चौहान लगाते है।
- ✸ 11 गोत्र के साथ टांक लगाते है
- ✸ 10 नख (खाप) महावर गोत्र में लगते है।
- ✸ 7 नख (खाप) भाटी गोत्र में लगते है।
- ✸ 5 नख (खाप) जादम गोत्र में लगते है।
- ✸ 5 नख (खाप) गेहलोत गोत्र में लगते है।
- ✸ 5 नख (खाप) तंवर गोत्र में लगते है।
- ✸ 4 नख (खाप) गेहलोत गोत्र में लगते है।3
- ✸ 4 नख (खाप) कच्छावा गोत्र में लगते है।
- ✸ 3 नख (खाप) सोलंकी गोत्र में लगते है।

यह विवरण गोत्र (उपनाम) की सूची में नख (खाप) प्रकाशित है कृपया सूची देखें।

क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)	क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)	क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)
		547	शावे	574	ऊहीवाल
522	सिसोदिया (मौर्य)	548	शिलाहार	575	ऊचवाले
523	सिसोदिया (गेहलोत)	549	शर्मा	576	उमरेया
524	सामरवाड़	550	शाक्य	577	उनयारा
525	सिंघारिया	551	शिवंशी	578	उनयारिया
526	सुन्नी	552	शिव	579	उवरूनिया
527	साचोरा (चौहान)	553	शिवपुरी	580	उपाध्याय
528	सांभरिवाल	554	श्रीमाली	581	वर्मा
529	सारजी (जादम)	555	तलवारिया	582	वानखेडे
530	सोल्या	556	तावडिवाल	583	वाहाड (गेहलोत)
531	सहारिया	557	तरैटिय	584	वरखेरिया
532	सतरावला	558	तुनकल्या	585	विस्वोलया
533	सरालिया	559	तड़ोलिया	586	विरपुरा (चौहान)
534	सेन्दवाल	560	तारकक्षा (चौहान)	587	वरवारिया
535	सोपरिया	561	तुश्या	588	वनेटिया
536	सुमन	562	तलावलिया	589	वारवार
537	सिगनाथ	564	तुंघवाल (तंवर)	590	यौधेम
538	सेनकिया	565	तुसीड़	591	यादव
539	सतरावली	566	तलवार	592	यावलकंर
540	सोरी	567	तीमनगिरिया	593	काच्छी
541	सातव	568	टाकरखेडे	594	पाटिल
542	सपकले	569	टाँक	595	पलकुंआ
543	सोनगरा	570	टाकड़ा	596	सुपरवा (चौहान)
544	सेरवुले	571	टीकोदिया		
545	सिपरकट	572	टाँक (जलोरिया)		
546	शरपून्या	573	खडोल्या		

विशेष सूचना

माली सैनी संदेश के सुनिधी पाठकों की मांग पर अगले अंक से माली सैनी समाज में जन्में साक्षरता आंदोलन के प्रर्वतक और समग्न क्राति के अग्रदुत महात्मा ज्योति बा फूले की जीवनी का सचित्र प्रकाशन किया जायेगा। इसके साथ ही पत्रिका के पाठकों की मांग पर माली सैनी संदेश में वैवाहिक विज्ञापन का प्रकाशन निःशुल्क प्रारंभ किया जा रहा है।

सुनिधि पाठकों से निवेदन है कि विवाह योग्य युवक/युवति की जानकारी पत्रिका में उपलब्ध फार्म के अनुसार पूर्ण भर कर पत्रिका कार्यालय में या हमारे पते पर भिजवायें।

धन्यवाद

संपादक

माली सैनी संदेश मेरिज ब्युरों

माली समाज में पारस्परिक रिश्तें कायम करने के लिए विवाह योग्य युवक युवती का रजिस्ट्रेशन(पंजीयन)नि:शुल्क किया जाता है। पत्रिका ऐसे सभी योग्य वर/ वधू का पंजियन कर उनका विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित करेगा इस हेतु लड़की की न्यूनत्तम आयु 18 वर्ष व लड़के की न्यूनत्तम आयु 21 वर्ष होना आवश्यक है। पत्रिका की ओर से वर्ष में एक बार परिचय सम्मेलन का भी आयोजन किया जायेगा। संभावित रिश्ते वाले दोनों पक्षों को सूचित कर रिश्तें कायम करने का हर संभव प्रयास किया जायेगा।

युवक-युवती व्यक्तिगत विवरण

नवीनतम फोटो

क्रम संख्या..... दिनांक .....

1. युवक/युवती का नाम.....गौत्र .....
2. युवक/युवती कार्यरत है, व्यवसाय का नाम व पता.....

.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....वार्षिक आय.....

3. शैक्षिक योग्यता .....विशेष योग्यता.....
3. जन्म तिथि..... ऊँचाई.....से. मी. वजन..... किलो
4. शारीरिक रंग : गोरा/गेंहुआ/श्याम.....चश्में का प्रयोग : हा/ नहीं..... मांगलिक है या नहीं.....
3. अन्य जानकारी जो आप देना आवश्यक समझें.....

.....

3. पारिवारिक विवरण

पिता का नाम.....माता का नाम.....

माता/पिता का निवास स्थान.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....

माता/पिता व्यवसायिक पता.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....

वार्षिक आय.....मकान निजी/किराये का.....

भाई-बहनों की संख्या..... विवाहित :भाई..... बहिन..... अविवाहित :भाई.....बहिन.....

4. ननिहाल पक्ष विवरण

नाना /मामा का नाम व पूरा पता.....

.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....

हस्ताक्षर अभिभावक दिनांक ..... **हस्ताक्षर युवक/ युवती**

भेजे : **माली सैनी संदेश**, पोस्ट बाक्स नं. 09, जोधपुर या फिर ई-मेल करें : **malisainisandesh@gmail.com; www.malisainisandesh.com**

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचन्द्र सोलंकी पुत्र श्री गोविन्दराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश गेहलोत पुत्र स्व. श्री बलदेवसिंहजी जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्रीबाबूलाल टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्री बंशीलाल मारोठिया पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल गेहलोत पुत्र श्री दयाराम जोधपुर
श्री सोहनलाल देवड़ा पुत्र श्री हापुराम देवड़ा मथानियां
श्री अमृतलाल परिहार पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार (उपाध्यक्ष नगर पालिका) बालोतरा
श्री रमेश कुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत बालोतरा
श्री लक्ष्मीचन्द सुंदेशा पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा बालोतरा
श्री वासुदेव गहलोत पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत बालोतरा
श्री महेश बी. चौहान पुत्र श्री भगवानदास चौहान बालोतरा
श्री हेमाराम माली पुत्र श्री रूपाराम पंवार बालोतरा
श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री हरिराम पंवार बालोतरा
श्री छगनलाल गहलोत पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत बालोतरा
श्री सोनाराम सुंदेशा पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम सुंदेशा पुत्र श्री पूनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्र कुमार पंवार पुत्र श्री अणदाराम पंवार बालोतरा
श्री शंकरलाल (पार्षद) पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार बालोतरा
श्री घेवरचंद पंवार पुत्र श्री भोमजी पंवार बालोतरा
श्री रामकरण माली पुत्र श्री किसनाराम माली बालोतरा
श्री रतन परिहार पुत्र श्री देवजी परिहार बालोतरा
श्री कैलाश काबली (अध्यक्ष माली समाज) पाली
श्री घीसाराम देवड़ा (मंडल महामंत्री भाजपा) भोपालगढ़
श्री शेषाराम श्यामलाल टाक पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल माली (सरपंच महिलावास) सिवाणा
श्री रमेश कुमार सांखला सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाह, लवेरा बावड़ी
संत हजारीलाल गहलोत जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार डीसा
श्री हितेश भाई मोहन भाई पंवार डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी डीसा
श्री मगनलाल गीगा जी पंवार डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा डीसा
श्री नवीनचन्द दलाजी गहलोत डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाह डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा डीसा
श्री सुखदेव वक्ता जी गहलोत डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी डीसा
श्री किशोर कुमा सांखला डीसा
श्री बाबुलाल गीगाजी टाक डीसा
श्री देवचन्द रगाजी कच्छवाह डीसा
श्री सतीश कुमार लक्ष्मीचन्द सांखला डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाह डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाह डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी डीसा
श्री अशोक कुमार पुनमाजी सुंदेशा डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार सोढ़ो की ढाणी
श्री सम्पतसिंह पुत्र श्री बींजारामजी गहलोत जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छवाह जोधपुर
श्री सीताराम सैनी पुत्र श्री सुरजमल सैनी सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी सर्वोदय सोसायटी जोधपुर
श्री जयनारायण गहलोत चौपासनी चारणान मथानियां
श्री अशोक कुमार पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी गेंवा जोधपुर
श्री रामेश्वरलाल (सुशील कुमार) गहलोत जोधपुर
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी चौखा
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कम्पनी भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भगवती खाद बीज भण्डार भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार राजस्थान फार्मेसिया जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेंट सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी सोजतरोड़
श्री राम अकेला पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा देवड़ा मोटर्स जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला सांखला सिमेंट जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र स्व. श्री बींजाराम गहलोत जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी भीनमाल
श्री सांवरराम परमार भीनमाल
श्री भारताराम परमार भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार भीनमाल
श्री डी.डी.भाटी पुत्र श्री भंवरलाल भाटी जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार सूरसागर जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत गहलोत सूरसागर जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी आदमपुरा
श्री अशोक सांखला पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला जोधपुर
श्री नटवरलाल माली जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत जोधपुर
श्री अमित पंवार जोधपुर
श्री राकेश कुमार सांखला जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार बालोतरा
श्री अरविन्द सोलंकी जोधपुर
श्री सुनिल गहलोत जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार जोधपुर
श्री मनीष गहलोत जोधपुर
श्री योगेश भाटी अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा बिलाड़ा
श्री प्रकाशचन्द सांखला ब्यावर
श्री झुमरलाल गहलोत जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी जोधपुर
श्री महावीरसिंह भाटी जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा जोधपुर
श्री अशोक टाक जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत सालावास जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा मध्यप्रदेश

माली सैनी संदेश

ही क्यों ?

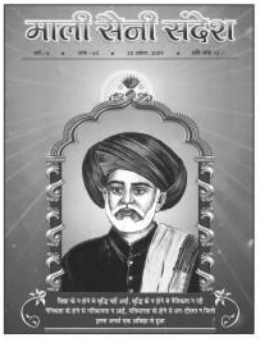

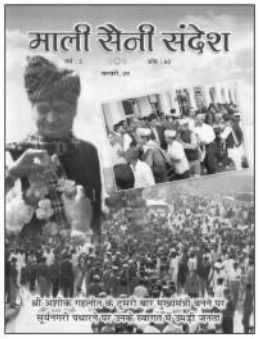

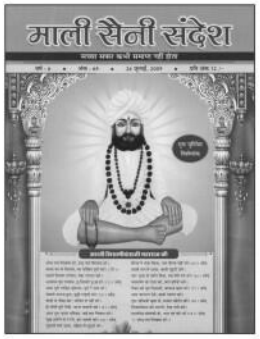

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे देश ही नहीं विदेश में भी।

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	6,000/-
Inside Cover	4,000/-
Color Page	2,500/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 92140 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

क्योंकि सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता . . .

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

सालोड़ी में आयोजित छात्र संघ कार्यक्रम की झलकियां

छात्रसंघ को कम्प्यूटर सैट भेंट करते माली सैनी संदेश के संपादक साथ में है जेडीए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत

माली समाज की युवा प्रतिभा को सम्मानित करते श्री ऊँकारराम कच्छवाहा

समारोह में उपस्थित समाज के गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारीगण

माली छात्र संघ के द्वारा की जारी गतिविधियों की जानकारी प्रदान करते छात्रसंघ पदाधिकारी

सरस्वती मां के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित करते डॉ. मनोहर परिहार एवं डॉ. बी. आर. परिहार

Postal Regd. No. Jodhpur/221/2009-2011 NO. RAJHIN12897/20/1/2004-TC

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने किया माली सैनी संदेश द्वारा प्रकाशित 2013 के बहुरंगी कलैण्डर का विमोचन

13 नवम्बर, 12 जोधपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने सक्रिट हाऊस में माली सैनी संदेश के बहुरंगीय नववर्ष 2013 के कलैण्डर का विमेचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी को दिपावली एवं नव वर्ष की हार्दिक बधाई प्रेषित की। मुख्यमंत्री ने 2013 के कलैण्डर में समाज को गौरवान्वित करने वाले समाजसेवी, उद्योगपती, राजनैतिज्ञ एवं पथपदर्शक समाज बंधुओं, माताओं के संक्षिप्त जीवनी एवं उनके बारे में प्रदान की गई जानकारी को सराहा तथा आशा व्यक्त की कि इससे आने वाली पीढ़ी प्रेरणा ले समाज में शिक्षा, जागृति एवं उन महापुरूषों के द्वारा किये गये कार्यो को आगे बढ़ायेगी। इस अवसर पर जोधपुर जिला कलेक्टर श्री गौरव गोयल, सत्पथ सोसायटी के सचिव श्री राजेश गहलोत, डॉ. बी. आर. परिहार, डॉ. मनोहर परिहार, जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रेमचंद सांखला, माली छात्र संघ अध्यक्ष श्री युधिष्टर परिहार, श्री सांवर परिहार उपस्थित थे।

माली सैनी संदेश के संपादक एवं प्रकाशक मनीष गहलोत ने सभी समाजबंधुओं से निवदेन किया कि वे इस बहुरंगी कलैण्डर को हमारे कार्यालय से नि:शुल्क प्राप्त कर सकते है तथा कलैण्डर के प्रकाशन में चंद्रा फनीचर्स के श्री धमेन्द्र एवं श्री जितेन्द्र कच्छवाहा एवं देवड़ा मोटर्स के श्री नरेश देवड़ा का हार्दिक आभार प्रकट करते है जिन्होंने कलैण्डर के प्रकाशन में अपना योगदान प्रदान किया।

नव वर्ष 2013 का बहुरंगी कलैण्डर आप हमारे कार्यालय : सांई इण्टरनेशनल, भैरु बाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर से नि:शुल्क प्राप्त कर सकते है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं सम्पादक मनीष गहलोत के लिए मुद्रक मोहम्मद मुस्लिम द्वारा हिन्दुस्तान प्रिण्टिंग हाउस इन साईड ईदगाह कम्पाउण्ड जालोरी गेट, जोधपुर से मुद्रित एवं माली सैनी संदेश कार्यालय, 31, गणपति मार्केट नई सड़क, जोधपुर से प्रकाशित।

फोन : 09414475464 ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR

log on : www.malisainisandesh.com; www.malisaini.org